हिन्दी सान्ध्य दैनिक

जौनपुर से प्रकाशित

देश की उपासना

देश के विकास में समर्पित समाज के सभी वर्गों के लिए

वर्ष : 01 अंक : 333 : जौनपुर, सोमवार 04 सितम्बर 2023 सान्ध्य दैनिक (संस्करण) पेज – 4 मूल्य : 2 रूपया

भारत 2047 तक होगा विकसित राष्ट्र, देश में नहीं होगी भ्रष्टाचार–जातिवाद की कोई जगह...बोले मोदी

एजेन्सी

नयी दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने देश की आर्थिक वृद्धि को अपनी सरकार के नौ साल के कार्यकाल की राजनीतिक स्थिरता का 'स्वाभाविक सह–उत्पाद बताते हुए उम्मीद जताई है कि 2047 तक भारत एक विकसित राष्ट्र होगा, जिसमें भ्रष्टाचार, जातिवाद और सांप्रदायिकता के लिए कोई जगह नहीं होगी। प्रधानमंत्री मोदी ने एक न्यूज एजेंसी को दिए एक इंटरव्यू में कहा कि मुद्रास्फीति पर काबू पाने की कवायद में केंद्रीय बैंकों को नीतिगत रुख के बारे में समय पर और स्पष्ट सूचना देनी चाहिए ताकि प्रत्येक देश के महंगाई रोकने की लड़ाई के कदमों का दूसरे देशों पर नकारात्मक दुष्प्रभाव न पड़े। इस समय जहां अधिकांश विकसित अर्थव्यवस्थाएं आर्थिक सुस्ती, गंभीर किल्लत, ऊंची मुद्रास्फीति और अपनी आबादी की बढ़ती उम्र की समस्या का सामना कर रही हैं वहीं भारत प्रमुख अर्थव्यवस्थाओं में सबसे तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्था बना हुआ है जिसके पास सबसे बड़ी युवा आबादी है।पीएम मोदी ने कहा, ''विश्व इतिहास में लंबे समय तक भारत दुनिया की अग्रणी अर्थव्यवस्थाओं में

से एक था। बाद में उपनिवेशवाद के प्रभाव की वजह से हमारी वैश्विक पहुंच घट गई। लेकिन अब भारत एक बार फिर आगे बढ़ रहा है। हमने जिस रफ्तार से दुनिया की 10वीं से पांचवीं बड़ी अर्थव्यवस्था तक लंबी छलांग लगाई है वह दर्शाता है कि भारत को अपना काम बखूबी पता है। उन्होंने लोकतंत्र, जनांकिकी और विविधता के साथ विकास (चार 'डी) को भी जोड़ते हुए कहा कि वर्ष 2047 तक का काल व्यापक अवसरों से भरपूर है और इस दौर में रहने वाले भारतीयों के पास वृद्धि की एक नींव रखने का बड़ा अवसर है जिसे आने वाले हजारों साल तक याद रखा जाएगा। भारत ने वित्त वर्ष 2021–22 के अंत में 3.39 लाख करोड़ डॉलर के सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) के साथ ब्रिटेन को पीछे छोड़ते हुए दुनिया की पांचवीं बड़ी अर्थव्यवस्था का दर्जा हासिल कर लिया था। भारत से आगे अब सिर्फ अमेरिका, चीन, जापान एवं जर्मनी ही हैं। प्रधानमंत्री ने कहा कि 2014 से पहले के तीन दशकों में देश में कई ऐसी सरकारें आईं जो अस्थिर थीं, जिसकी वजह से वे बहुत कुछ नहीं कर पाईं। उन्होंने कहा, ''लेकिन पिछले कुछ वर्षों में जनता ने (भाजपा को) निर्णायक जनादेश दिया है जिससे देश में एक स्थिर सरकार है, अनुकूल नीतियां हैं और सरकार की कुल दिशा को लेकर स्पष्टता है। इस स्थिरता की ही वजह से पिछले नौ साल में कई सुधार लागू किए जा सके हैं। उन्होंने कहा कि अर्थव्यवस्था, शिक्षा, वित्तीय क्षेत्र, बैंक, डिजिटलीकरण, कल्याण, समावेशन एवं सामाजिक क्षेत्र से संबंधित इन सुधारों ने एक मजबूत बुनियाद रखी है और 'वृद्धि इसका स्वाभाविक सह–उत्पाद है। उन्होंने कहा, ''भारत की त्वरित एवं सतत प्रगति ने दुनियाभर का ध्यान आकृष्ट किया है और कई देश हमारी वृद्धि गाथा को बेहद करीब से देखते रहे हैं। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा, ''ये देश इस बात को लेकर आश्वस्त हैं कि हमारी प्रगति कोई 'दुर्घटना न होकर 'सुधार, प्रदर्शन एवं बदलाव की एक स्पष्ट और कार्य–उन्मुख रूपरेखा का परिणाम है। उन्होंने कहा, ''लंबे समय तक भारत को एक अरब से अधिक भूखे पेट का देश माना जाता था, लेकिन अब भारत को एक अरब से अधिक आकांक्षावान मस्तिष्क, दो अरब से अधिक कुशल हाथों और करोड़ों युवा लोगों का देश माना जाता है। उन्होंने कहा कि 100 से अधिक यूनिकॉर्न की मौजूदगी वाला भारत स्टार्टअप कंपनियों का तीसरा बड़ा गढ़ है और अंतरिक्ष के क्षेत्र में इसकी उपलब्धियों का जश्न आज पूरी दुनिया में मनाया जा रहा है।

योगी आदित्यनाथ बोले, अधिकारी जनता को कराएं संवेदनशील सरकार का एहसास

एजेन्सी

गोरखपुर। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने गोरखपुर प्रवास के दौरान रविवार को जनता दर्शन में लोगों से मुलाकात कर उनकी समस्याएं सुनीं और में मौजूद अधिकारियों को हिदायत दी कि जनता की हर समस्या का निराकरण कराएं जिससे जनता को हर पल संवेदनशील और हर संकट में साथ खड़ी रहने वाली सरकार का एहसास होना चाहिए। मुख्यमंत्री रविवार सुबह गोरखनाथ मंदिर परिसर के महंत दिग्विजयनाथ स्मृति भवन के सामने आयोजित जनता दर्शन में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने 200 लोगों की समस्याएं सुनीं और अधिकारियों को उनका समाधान करने का निर्देश दिया। उन्होंने समस्या लेकर आए लोगों से बेहद अपनेपन से कहा कि चिंता नहीं करिए, घबराइए बिलकुल मत, हर शिकायत पर सुनिश्चित कारवाई होगी। उन्होंने कहा कि समस्या कोई हो उसका समाधान कराएंगे। कुर्सियों पर बैठाए गए लोगों तक मुख्यमंत्री खुद पहुंचे। एक.एक कर और इत्मीनान से सबकी समस्याएं सुनीं। उन्हें आश्वस्त किया कि वह सभी की समस्याओं का समाधान सुनिश्चित कराएंगे। उनके रहते किसी को भी चिंता करने की आवश्यकता नहीं है। प्रार्थना पत्रों को उन्होंने अधिकारियों को हस्तगत करते हुए निर्देश दिया कि हर समस्या का निस्तारण त्वरित, गुणवत्तापूर्ण और संतुष्टिप्रद होना चाहिए। कुछ लोगों द्वारा जमीन कब्जाने की शिकायत पर उन्होंने कठोर कानूनी कारवाई का निर्देश दिया। जनता दर्शन में कुछ लोग इलाज में आर्थिक मदद की गुहार लेकर पहुंचे थे। मुख्यमंत्री ने उनसे कहा कि इलाज में धन की कमी बाधक नहीं होगी। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि इलाज में अस्पताल के इस्टीमेट की प्रक्रिया को जल्द पूर्ण कराकर शासन में भेजें। मुख्यमंत्री विवेकाधीन कोष से इलाज के लिए पर्याप्त राशि दी जाएगी। कुछ महिलाएं अपने बच्चों को लेकर आई थीं। मुख्यमंत्री ने बच्चों को दुलारकर आशीर्वाद दिया। उनकी पढ़ाई के बारे में पूछा और चॉकलेट गिफ्ट कर उन्हें खूब पढ़ने को प्रेरित किया।

मथुराः जन्माष्टमी पर कान्हा की जन्मभूमि में होगा ठाकुर जी का अनूठा श्रृंगार

एजेन्सी

मथुरा। श्रीकृष्ण जन्माष्टमी पर कान्हा की जन्मभूमि पर आने वाले लाखों श्रद्धालु इस बार ठाकुर जी का अनूठा श्रृंगार देखेंगे। श्रीकृष्ण जन्मस्थान सेवा संस्थान के सचिव कपिल शर्मा के अनुसार भगवान श्रीकृष्ण की जन्मभूमि आने वाले तीर्थयात्री रजत कमल पुष्प में न केवल ठाकुर का प्राकट्य देख सकेंगे बल्कि स्वर्णमण्डित रजत कामधेनुस्वरूपा गौ प्रतिमा द्वारा ठाकुर का प्रथम अभिषेक देख सकेंगें किंतु इससे पहले मोछर्लासान में विराजमान होकर अभिषेक स्थल पर चल विगृह का दर्शन भी कर सकेंगे। इस बार सोमनाथ पुष्प बंगले में ठाकुर जी को विराजमान करने की व्यवस्था भी की गई है। कान्हा का अभिषेक श्रीकृष्ण जन्मस्थान न्यास के अध्यक्ष महन्त नृत्य गोपालदास की अध्यक्षता में 7 सितंबर को होगा। सचिव शर्मा के अनुसार 20 घंटे से अधिक समय तक ठाकुर के पट खुले रहेंगे।इस बार ऐसी व्यवस्था की जाएगी कि श्रद्धालुओं को दर्शन करने में किसी प्रकार की परेशानी न हो। जन्माष्टमी की शुरूवात 7 सितंबर को प्रातरू साढे पांच बजे शहनाई वादन एव ढोल तथा नगाड़े की बुलन्द आवाज से होगी। इसके बाद अभिषेक का कार्यक्रम एक घंटे से अधिक देर तक वैदिक मंत्रों के मध्य होगा। अभिषेक का चरणामृत उस समय श्रीकृष्ण जन्मस्थान परिसर में मौजूद सभी भक्तों में वितरित किया जाएगा। प्रातरू दस बजे से श्रद्धा कार्यक्रम होगा जिसमें देश के जाने माने कलाकार अपनी स्वरलहरी और वाद्य यंत्र के माध्यम से ठाकुर के श्रीचरणों में अपनी भवांजलि प्रस्तुत करेंगें तो जाने माने संतों का इस अवसर पर प्रवचन होगा। सचिव शर्मा के अनुसार अभिषेक का कार्यक्रम जनमाष्टमी की रात 12 बजकर 5 मिनट से 12 बजका 20 मिनट तक चलेगा तथा इसके बाद कान्हा का जन्म महाअभिषेक 12 बजकर 40 मिनट तक चलेगा। इसके बाद श्रृंगार आरती 12 बजकर 50 मिनट तक होगी तथा दर्शन खुले रहेंगे। शयन आरती 1 बजकर 25 मिनट से डेढ बजे तक होगी और इसके बाद दर्शन बंद हो जाएंगे।उन्होंने बताया कि जन्माष्टमी पर जन्मस्थान आनेवाले प्रत्येक भक्त को प्रसाद दिया जाता है। इस बार भी निकास द्वारों पर इसकी व्यवस्था की जाएगी। चूंकि आनेवाले भक्तों की संख्या लाखों में होती है इसलिए खराब न होनेवाले प्रसाद का बनना अभी से शुरू हो गया है। उधर, श्रीकृष्ण जन्मस्थान सेवा संस्थान के सदस्य गोपेश्वरनाथ चतुर्वेदी ने बताया कि इस बार जन्मस्थान आनेवाले तीन प्रमुख मार्गों पर तीर्थयात्रियों का सामान रखने की व्यवस्था की गई है।

जी20 शिखर सम्मेलन में कम विकसित देशों की आवाज बनेगा भारत

एजेन्सी

नयी दिल्ली। 9 से 10 सितंबर के बीच होने वाला नयी दिल्ली जी20 शिखर सम्मेलन अब नजदीक है और इसे भारत को कम विकसित देशों की आवाज के रूप में स्थापित करने में सरकार की प्रमुख उपलब्धियों में से एक के रूप में रेखांकित किया जा रहा है। दो दिनों के गहन विचार–विमर्श के बाद, जी20 शिखर सम्मेलन नयी दिल्ली घोषणा के साथ समाप्त होगा, इसमें जलवायु परिवर्तन और जलवायु वित्त, गरीबी उन्मूलन में बहुपक्षीय विकास बैंकों (एमडीबी) की भूमिका, टिकाऊ विकास पर प्रगति, विकास लक्ष्य, तकनीकी परिवर्तन और डिजिटल सार्वजनिक बुनियादी ढाँचा और सबसे महत्वपूर्ण रूप से रूस–यूक्रेन संघर्ष के सामाजिक–आर्थिक परिणामजैसे मुख्य एजेंडा आइटम की रूपरेखा तैयार करने की उम्मीद है। भारत ने खुद को ग्लोबल साउथ(कम विकसित देशों) की आवाज के रूप में स्थापित किया है। भारत ने ऐसे देशों के हितों की वकालत करने के लिए जी20 की अध्यक्षता के मंच का उपयोग किया है। जनवरी में हुए वॉयस ऑफ ग्लोबल साउथ शिखर सम्मेलन के दौरान, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा था कि ष्दुनिया संकट की स्थिति में हैष् और विकासशील देशों के नेताओं से कहा था कि ष्आपकी आवाज भारत की आवाज है और आपकी प्राथमिकताएं भारत की प्राथमिकताएं हैं। "उन्होंने कहा था, "भारत ने हमेशा अपने विकासात्मक अनुभव को ग्लोबल साउथ के हमारे भाइयों के साथ साझा किया है। जैसा कि भारत इस वर्ष अपनी जी20 अध्यक्षता शुरू कर रहा है, यह स्वाभाविक है कि हमारा उद्देश्य वैश्विक दक्षिण की आवाज को बढ़ाना है। भारत की जी20 की अध्यक्षता के लिए एक वाक्यांश, जो प्राचीन संस्कृत पाठ हितोपदेश से लिया गया है श्वसुधैव कुटुंबकम, या श्एक पृथ्वी, एक परिवार, एक भविष्यश है। सरकार

ने अपनी विदेश नीति स्थापित करने के लिए लगातार इसका उपयोग किया है। भारत का लक्ष्य जी20 के अध्यक्ष के रूप में मिले राजनयिक अवसर का अधिकतम उपयोग करना है और इसलिए लगभग सभी देशों ने आगामी जी20 शिखर सम्मेलन के लिए अपनी उपस्थिति की पुष्टि कर दी है। जी 20 समूह में वे देश शामिल हैं, जो वैश्विक सकल घरेलू उत्पाद में लगभग 80 प्रतिशत और अंतर्राष्ट्रीय व्यापार में 70 प्रतिशत से अधिक का योगदान करते हैं। जी20 शिखर सम्मेलन में अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन, ब्रिटिश पीएम ऋषि सुनक, फ्रांसीसी राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रॉन और कनाडाई प्रधान मंत्री जस्टिन ट्रूडो सहित लगभग 25 विश्व नेताओं की उपस्थिति होगी। सूत्रों के मुताबिक, रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन को छोड़कर लगभग सभी जी20 नेताओं ने नयी दिल्ली जी20 शिखर सम्मेलन के लिए अपनी उपस्थिति की पुष्टि कर दी है।

भदोहीः कालीन कंपनी में लगी भीषण आग

एजेन्सी

भदोही। उत्तर प्रदेश के भदोही जिले में रविवार तड़के एक कालीन प्रतिष्ठान में लगी भीषण आग में जलकर लाखों का कच्चा माल खघक हो गया। फायर ब्रिगेड के आधिकारिक सूत्रों ने बताया कि दोही रेलवे स्टेशन के समीप स्टेशन रोड स्थित एक बड़े कालीन निर्यातक के प्रतिष्ठान'के–इंटरनेशनल में रविवार तड़के आग लग गई। बताया जाता है कि सुबह लोगों ने कंपनी के आसपास आग की लपटे व धूएं का गुबार उठता देखकर कंपनी मालिक को सूचना दी। देखते ही देखते मौके पर भारी भीड़ जमा हो गई। आग लगने की सूचना फायर ब्रिगेड को दी गई दी। मौके पर पहुंची दो दमकलों से बमुश्किल तीन घंटे में आग बुझाई जा सकी। मौके पर जमा भीड़ को काबू करने में कोतवाली पुलिस को कड़ी मशक्कत करनी पड़ी। बताया गया कि दुकान में लगभग चार से साढ़े चार बजे के आस पास लगी।

100 की स्पीड में डिवाइडर से टकराई कार, एक की मौत

एजेन्सी

लखनऊ। राजधानी लखनऊ में 100 की स्पीड में कार डिवाइडर से टकरा गई। मोड़ पर टक्कर लगते ही चिंगारी निकली और गाड़ी करीब 6 बार पलटती गई। हादसे के वक्त कार में एक युवक और युवती सवार थे। युवक की मौत हो गई। जबकि युवती घायल है। यह घटना गोमती नगर के अंबेडकर चौराहे का है। इसका सीसीटीवी फुटेज भी सामने आया है। घटना शनिवार रात करीब 2.30 बजे की बताई जा रही है। सीसीटीवी फुटेज में दिख रहा है कि एक तेज रफ्तार कार अंबेडकर चौराहे की तरफ आ रही है। उसकी स्पीड 100 के आसपास रही होगी। एकाएक कार चौराहे पर पहले डिवाइडर से टकराती है। उसके बाद पलक झपकते ही साइनएज बोर्ड के पोल को उड़ाते हुए आगे की तरफ बढ़ जाती है। गाड़ी की स्पीड तेज होने के चलते दोनों पहियों के पास से चिंगारी निकल रही है। टक्कर इतनी तेज थी कि कार थोड़ी दूर जाकर पांच से छह गुलाटी खाकर पलट जाती है। उसके बाद बुरी तरह डैमेज हो जाती है। उसमें बैठे एक युवक और युवती घायल हो जाते हैं। गोमतीनगर थाने के इंस्पेक्टर दीपक पांडेय के अनुसार कार में सवार युवक की पहचान सार्थक पहवा (25) के रूप में हुई है। वह निरालानगर के रहने वाले थे। देर रात करीब ढाई बजे वह लोहिया पार्क की ओर से स्पीड में कार चलाते हुए आ रहे थे। उनके साथ एक महिला दोस्त भी थी। एकाएक कार चौराहे पर लगे साइनएज बोर्ड के पोल से टकरा गई। टक्कर इतनी तेज थी कि कार पांच से छह गुलाटी खा गई। चीख–पुकार सुनकर राहगीरों ने पुलिस को सूचना दी। पुलिस कार में फंसे सार्थक और युवती को निकालकर अस्पताल लेकर पहुंची। जहां, डाक्टरों ने सार्थक को मृत घोषित कर दिया।

हीरो एजेंसी व कपड़ा शो रूम में लगी भीषण आग, करोड़ों का नुकसान

एजेन्सी

औरैया। उत्तर प्रदेश में औरैया जिले के कस्बा सहार में रविवार की सुबह कपड़े के एक शोरूम और हीरो मोटोकॉर्प की एजेंसी में बिजली के शॉर्ट सर्किट से आग लग गई। इस दुर्घटना में करोड़ों के नुकसान की आशंका जताई जा रही है। घटना की जानकारी तब हुई जब पास में स्थित एक इंटर कॉलेज के कर्मचारी ने बिल्डिंग से धुआं निकलते देखा, जिसकी जानकारी उसने मालिक को दी। मालिक व आसपास के लोग ने सबमर्सिबल आदि चलाकर आग बुझाने के प्रयास शुरू किए और साथ ही इसकी जानकारी पुलिस व फायर ब्रिगेड को दी। फायर ब्रिगेड की 9 गाड़ियों के प्रयास से करीब 3 घंटे बाद आग पर काबू पाया जा सका। तब तक कपड़ा शो रूम व हीरो एजेंसी पर खड़ी बाइकों समेत सभी सामान जलकर राख हो गया। आग लगने से करीब 3–4 करोड़ रुपए का नुकसान बताया जा रहा है। आधिकारिक सूत्रों के मुताबिक, कस्बा सहार निवासी संजीव अग्निहोत्री की बेला–दिबियापुर रोड़ पर जगदीश चन्द्र इंटर कालेज गेट के पास बनी कामर्शियल बिल्डिंग में नीचे स्वास्तिक क्लॉथ हाउस के नाम से कपड़े का शोरूम व ऊपर स्वास्तिक हीरो कॉप के नाम से मोटरसाइकिल एजेंसी व वकर्शॉप है। रविवार की सुबह लगभग 8 बजे शॉर्ट सर्किट के चलते बिल्डिंग में आग लग गई। पास ही एक विद्यालयकर्मी ने 9 बजे बिल्डिंग में पीछे से धुंआ निकलते देखा तो इसकी सूचना एजेंसी मालिक संजीव अग्निहोत्री को दी। सूचना मिलते ही संजीव आनन फानन शो रूम पर पहुंचे और किसी तरह शो रूम का शटर खोला तो अंदर लगी आग की तेज लपटें बाहर निकलने लगीं। साथ ही कांच के शीशे तेज आवाज के साथ टूटकर बिखरने लगे। इसके अलावा बाइको में भरे पेट्रोल के कारण तेज धमाकों की आवाजें सुनाई देने लगीं।

शिक्षक दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं

महान शिक्षक
डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन के
जन्मदिन 'शिक्षक दिवस' के
पावन अवसर पर समस्त
शिक्षक समुदाय व शोधार्थियों को
हार्दिक मंगलकामनाएं।

डॉ.एस.पी.सिंह
पूर्व सदस्य विधान परिषद
संस्थापक एवं महाप्रबन्धक

हर्षित सिंह
निदेशक

लखनऊ पब्लिक स्कूल्स एण्ड कॉलेजेज़

सम्पादकीय

जी–20 भारत की शान और दिल्ली की पहचान

जैसा कि नाम से जाहिर है कि जी–20 अर्थात ग्रुप ऑफ 20, सब जानते हैं कि भारत दुनिया के एक बड़े ग्रुप की एक ऐतिहासिक बैठक का आयोजन अपने घर में करने जा रहा है। यह आयोजन दिल्ली में 8 से 10 सितम्बर के बीच होगा। हालांकि बड़ी बात यह है कि दुनिया के सबसे बड़े मुद्दे दिग्गजों की सबसे बड़ी बैठक में 9 और 10 सितम्बर को ही चर्चा के लिए उभरेंगे और आगे की रणनीति भारत की अध्यक्षता में ही तय होगी। एक अहम बात यह है कि इतने बड़े अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन जिसमें रूस, अमरीका, फ्रांस, ब्रिटेन, जर्मनी, और ऑस्ट्रेलिया जैसे 20 देश शामिल हों तो उन सबकी आवाज भारत बनने जा रहा है। जरूरी यह है कि जी–20 के आयोजन को लेकर राजधानी दिल्ली का जिस तरह कायापलट हो रहा है उसकी खूबसूरती को चार चांद लगे हैं तो ऐसे में दिल्ली की इस खूबसूरती को स्थायीत्व के तौर पर अगर हम स्वीकार कर लेते हैं तो फिर दुनिया के नक्शे पर भारत की एक अलग ही तस्वीर उभरेगी। जैसा कि सब जानते हैं कि जी–20 एक ऐसा अंतर्राष्ट्रीय मंच है जो आर्थिक मुद्दों और इकोनॉमी से जुड़ी समस्याओं को दूर करने में सक्षम है तो वहीं भारत के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का यह आह्वान एक धरती एक परिवार अर्थात वसुधेव कुटुम्बकुम का संदेश भी इसमें छिपा है। दुनिया में जलवायु से लेकर पर्यावरण तक, प्रदूषण की समस्याओं से लेकर कीमतें बढ़ने की चुनौतियां हैं, दुनिया में सब मैत्री के साथ विकास को आगे बढ़ाये। कहीं पर भी किसी देश के साथ दूसरे देश का युद्ध न हो। शांति का संदेश अगर भारत दे रहा है तो यह बात भी प्रमाणित हो रही है कि भारत दुनिया को एक परिवार मानता है और सब मिलकर आगे बढ़ें इससे बड़ी थीम और क्या हो सकती है। जी–20 को लेकर सारे देश में ध्और विशेष रूप से दिल्ली में बहुत उत्साह है, हमने कोरोना जैसी महामारियों को झेला। इसके अलावा आर्थिक मंदी भी पूरी दुनिया ने झेली परन्तु भारत ने इन दोनों ही मुसीबत भरी मुश्किलों के दौर में खुद को तो उबारा ही साथ ही पूरी दुनिया को मिलकर आगे बढ़ने की दिशा भी दिखाई। मेरा व्यक्तिगत तौर पर यह मानना है कि दिल्ली जैसी ऐतिहासिक राजधानी की अपनी अलग किस्म की समस्याएं हो सकती हैं। अब जी–20 के आयोजन को लेकर सब समस्याएं खत्म हो रही हैं। केन्द्र और राज्य सरकारें मिलकर जी–20 को लेकर भारत की शान बढ़ाने के लिए कृतसंकल्प हैं परन्तु हम सब नागरिकों का एक राष्ट्रीय कर्त्तव्य और एक राष्ट्रीय धर्म भी होना चाहिए कि अपनी दिल्ली को स्वच्छ और सुन्दर बनाकर रखें। कूड़ा और कचरा डस्टबिन में ही फैंकें, ट्रैफिक अपनी–अपनी लाइन में चले, सब लाल बत्ती पर नियमों का पालन करें। ऐसे में आधी समस्या तो वैसे ही हल हो जाएगी। ऐसा करना या ऐसी पहल के लिए तैयार होना लोगों की एक अच्छी सोच को दर्शाता है। अगर हम हर रोज सड़कों पर बाजारों में अनुशासित जीवन बिताते हैं तो हम एक राष्ट्रीय सेवा का ध र्म निभा रहे हैं। किसी आयोजन का मतलब बड़ी चकाचौंध प्रस्तुत करना ही काफी नहीं बल्कि हम अनुशासित होकर अगर आगे बढ़ रहे हैं तो यह देश का घ्शृंगार कहा जाना चाहिए।

मुझे खुशी इस बात की है कि पूरा देश का हर राज्य मोदी सरकार हो या राज्यों की सरकारें सब मिलकर इस आयोजन को सफल बना रहे हैं। शिक्षा, रोजगार के अवसर, आर्थिक मंदी पर कंट्रोल जैसे विषयों के अलावा जलवायु और पर्यावरण नियंत्रण को लेकर अगर कोई साझी रणनीति भारत की अध्यक्षता में बन रही है तो हम इसका स्वागत करते हैं। कश्मीर से कन्याकुमारी तक गोवा, चेन्नई, श्रीनगर, बैंगलुर, जयपुर तक इस जी–20 के आयोजन को लेकर विदेशी प्रतिनिधियों के साथ भारतीय पर्यटन को बढ़ावा दिया जा रहा है। शिक्षा और रोजगार के अलावा युद्ध टालने तक की संभावनाओं पर भारत के नेतृत्व में एक बड़ा संदेश शक्तिशाली देशों चाहे वह रूस, अमरीका, ब्रिटेन, फ्रांस, आस्ट्रेलिया ही क्यों न हो जाने–माने प्रतिनिधि और दिग्गज इस जी–20 की शोभा बढ़ा रहे हैं लेकिन एक सबसे बड़ी उपलब्धि भारत के खाते में दर्ज हो चुकी है। पिछले तीन सालों के आंकड़े बता रहे हैं कि कोरोना जैसी महामारी की मार झेलने वाले भारत में पर्यटन बहुत तेजी से बढ़ा है। इसमें जी–20 का बड़ा योगदान है अगर वर्ष 2023 की पहली छमाही को देखा जाए तो अकेले दिल्ली में 44 लाख टूरिस्ट आए। अब तक जी–20 के 220 आयोजन हो चुके हैं और विदेशी मेहमानों की संख्या बढ़ती जा रही है। कुल मिलाकर जहां 2019 तक अलग–अलग पर्यटन स्थलों पर देश में 53 लाख टूरिस्ट पहुंचे तो 2021 में यह आंकड़ा 68 करोड़ था लेकिन 2022 समाप्त होते–होते यह 174 करोड़ पर पहुंच गया। विदेश टूरिस्टों की संख्या में वृद्धि का एक बड़ा कारण जी–20 आयोजन है। मैंने जो आंकड़े सर्च किए हैं वो भारत की कमाई को लेकर हैं जरा देखिये 2022 और 2023 के बीच विदेशी टूरिस्टों की संख्या 104 प्रतिशत बढ़ चुकी है और आज की तारीख तक हमारे देश में 13,130,14 अरब डालर का मुद्रा भंडार बढ़ चुका है। लोग विशेष रूप से विदेशी टूरिस्ट कश्मीर से कन्याकुमारी तक भारतीय चीजों को खरीद रहे हैं। भारतीय प्रोडक्ट्स बनाने वाले व्यापारियों को 3–3 साल के ऑर्डर मिल रहे हैं। कुल मिलाकर जब–जब भी देश में कोई बड़ा अंतर्राष्ट्रीय आयोजन होता है तो हर शहरी और हर भारतीय का यह पहला परम कर्त्तव्य होना चाहिए कि जहां–जहां भी आयोजन हो रहा है उस जगह को सुन्दर बनाने के साथ–साथ सार्वजनिक जीवन में नियमों का पालन भी करना चाहिए। यह सबसे बड़ा अनुशासन है जो किसी भी नागरिक और राष्ट्र को महान बनाता है। भारत की पहचान तो इससे भी अलग है क्योंकि वह दुनिया के हर व्यक्ति को परिवार का सदस्य मानता है। आओ अपना राष्ट्रीय धर्म निभायें, जी–20 को सफल बनायें और खूबसूरत दिल्ली को और भी सुन्दर बनाने की पहल को सदा नई पहचान देते रहें। यही हमारा राष्ट्रीय धर्म और कर्त्तव्य होना चाहिए। प्रधानमंत्री मोदी हो या दिल्ली के मुख्यमंत्री केजरीवाल या अन्य राज्यों के मुख्यमंत्री हों। इस वक्त जी–20 ने भारत को दुनिया के विकास का अग्रदूत बना दिया है।

विम वेंडर्स- रोड मूवीज का बादशाह

विम वेंडर्स की फिल्म पहली बार मैंने एक फिल्म फेस्टिवल में बहुत पहले देखी थी। अधिक तो कुछ याद नहीं, बस इतना याद है कि कैमरा लोगों के पैर की ऊंचाई पर है और पूरी फिल्म इसी कोण से फिल्माई गई है। फिल्म का नाम याद नहीं, हां, यह याद रहा कि यह फिल्म दूसरी फिल्मों से हट कर थी। बाद में विम वेंडर्स की कई अन्य फिल्में देखीं। वे लोकेशन पर फिल्मांकन तथा रोड मूवीज के लिए जाने जाते हैं। निर्देशक, प्रोड्यूसर, लेखक 14 अगस्त 1945 को जर्मनी में जन्मे विम वेंडर्स के जन्म का नाम अर्नेस्ट विल्हेम वेंडर्स है। विम उनका पुकारू नाम है। पहले वे चिकित्सक बनना चाहते थे पर बाद में फिलॉसफी पढ़ने लगे लेकिन जल्द ही पढ़ाई छोड़ दी और चित्रकार बनने के ख्याल से पेरिस आ गए। पर असली प्यार फिल्मों से हुआ हालांकि उन्हें फ्रेंच नेशनल फिल्म स्कूल में प्रवेश नहीं मिला। वे फिल्म देखते और उत्कीर्णक (एन्ग्रेवर) का काम करते, फिर 1967 में पश्चिमी जर्मनी लौट आए। फिर उन्होंने म्युनिख की यूनिवर्सिटी ऑफ टेलिविजन एंड फिल्म में पढ़ाई की। पढ़ाई के साथ वे अखबार केलिए फिल्म समीक्षा करते रहे। 89 पुरस्कार विजेता तथा तीन बार ऑस्कर के लिए नामांकित विम वेंडर्स ने प्रशिक्षण के दौरान कई लघु तथा एक फीचर फिल्म बनाई। उनकी इस फीचर फिल्म का नाम 'समर इन द सिटी' (1971) है। करीब दो घंटे की इस फिल्म में जेल से निकले एक आदमी का नए यथार्थ से परिचय होता है। इस फिल्म का लेखन उन्होंने खुद किया और इसे प्रड्यूस करने के साथ–साथ इसमें अभिनय भी किया है, पर उनका नाम क्रेडिट में नहीं आता है।

एनडीए और 'इंडिया' का चतुरंगी चुनावी युद्ध

देश के विभिन्न 28 राजनैतिक दल जिस तरह सत्तारूढ़ पार्टी भाजपा के खिलाफ 'इंडिया' के रूप में मुम्बई में लामबन्द हुए हैं उससे यह तय लगता है कि 2024 का लोकसभा चुनाव संग्राम भीषण होगा। इन सभी दलों ने अपनी 14 सदस्यीय उच्च स्तरीय समन्वय समिति बना कर आगे की रणनीति बनाने की जो योजना बनाई है उसे देखते हुए कहा जा सकता है कि इन दलों के बीच के वैचारिक मतभेद चुनावी युद्ध में आड़े नहीं आयेंगे और ये भाजपा के विरुद्ध समेकित नीतियों पर चलेंगे। लोकतन्त्र में मजबूत विपक्ष का होना भी बहुत जरूरी होता है अतः इन दलों की एकता कोई अजूबा नहीं कही जा सकती। पूर्व में भी भारत के चुनावी इतिहास में इस प्रकार के महागठबन्धन और गठजोड़ बनते रहे हैं जिनमें एक जमाने में सत्तारूढ़ कांग्रेस के खिलाफ आज की सत्ताधारी भाजपा पार्टी भी खुद शामिल होती रही है परन्तु राजनीति के चरित्र और तेवरों में जो परिवर्तन पिछले कुछ दशकों से आया है उसे देखते हुए इतना जरूर कहा जा सकता है कि अब गठबन्धन 'विचारध ारा' मूलक न होकर 'सत्ता मूलक' बनने लगे हैं। मगर लोकतन्त्र में ऐसे गठबन्धनों को भी नाजायज नहीं ठहराया जा सकता क्योंकि जब किसी एक पार्टी का वजन बहुत बढ़ जाता है तो उसे बराबर करने के लिए सभी तरह के छोटे–छोटे बट्टे (राजनैतिक दल) तराजू के दूसरे पलड़े में चढ़ा दिये जाते हैं। दरअसल इसकी शुरूआत 90 के दशक में ही भाजपा के नेतृत्व में गठित एनडीए गठबन्धन से हुई थी जिसमें स्व. रामविलास पासवान से लेकर स्व. एम. करुणानिधी की पार्टी द्रमुक तक स्व. वाजपेयी के नेतृत्व में एक मंच पर आ गई थीं। आज कांग्रेस पार्टी भी भाजपा के खिलाफ यही रणनीति अपना रही है और बिना अपना नेतृत्व दिये सभी दलों को भाजपा के खिलाफ लामबन्द कर रही है। इस पार्टी के नेता श्री राहुल गांधी का यह कहना पूरी तरह सही है कि देश की जनता के 60 प्रतिशत मतदाताओं का समर्थन 'इंडिया' दलों के साथ है। भारत की राजनीति में यह कोई नई बात इसलिए नहीं है क्योंकि यहां की चुनाव प्रणाली में हार–जीत वैयक्तिक आधार पर होती है। अर्थात यदि किसी सीट पर दस प्रत्याशी खड़े हैं तो सबसे ज्यादा वोट पाने वाला प्रत्याशी जीत जायेगा चाहे बाकी नौ प्रत्याशियों को उससे बहुत ज्यादा वोट ही क्यों न मिले हों। 1967 के दौर में ठीक ऐसी ही स्थिति कांग्रेस की थी जैसी आज भाजपा की है। इस वर्ष हुए लोकसभा चुनावों में कांग्रेस पार्टी को 37.8 प्रतिशत के लगभग मत मिले थे मगर तब की लोकसभा में इसे पूर्ण बहुमत प्राप्त हुआ था जो कि तकरीबन 18 सांसदों का था। तब गैर कांग्रेसवाद का नारा इसी तरह गूंजा था जिस प्रकार आज गैर भाजपावाद का गूंज रहा है। मगर वर्तमान राजनीति की चुनौतियां निश्चित रूप से वे नहीं हैं जो 1967 में थीं। आज की राजनीति के तेवर बहुत तल्ख हो चुके हैं वैचारिक आलोचना का स्थान व्यक्तिगत आलोचना ने ले लिया है और सभ्य भाषा का स्थान सड़क छाप बोली ने ले लिया है। प्रचार के माध्यम और तरीके पूरी तरह बदल चुके हैं। ये परिवर्तन मतदाताओं के दिमाग पर भी असर डाल रहे हैं जिसकी वजह से वैचारिक विमर्श सिकुड़ता जा रहा है। मगर इस सबके बावजूद भारतीय मतदाता को विश्व के सबसे सजग मतदाता के रूप में जाना जाता है वह भावुक तो होता है मगर चुनावी मैदान में 'पर दुखे–परं सुखे' से भी दूर होना जानता है और मानवीय संवेदनाओं का जबर्दस्त हामी भी बन जाता है। वह 'धर्म प्राण' भी है मगर जहां 'धर्म त्राण' का अस्त्र चलता है तो वह उसे कुन्द करना भी जानता है। ये सभी विशेषताएं भारत की संस्कृति में हैं जिनके अनुसार भारतीय मतदाता समय–समय पर अलग–अलग चुनावों में हमें व्यवहार करता नजर आता है। ऐसा करके मतदात राजनैतिक दलों को यही सन्देश देता है कि वे कभी भी उसे अपना दास न समझें क्योंकि लोकतन्त्र का असली मालिक वही है। उसे यह मालिकाना हक अंग्रेजों को भारत से निकाल कर 'गांधी बाबा' देकर गये हैं और वह इस हक के आगे किसी भी हक को बड़ा नहीं मानता है। दरअसल चुनाव मतदाता के इसी हक की लड़ाई होते हैं जिसकी एवज में वह पांच साल के लिए अपने कुछ नौकरों का चुनाव करता है और उन्हें राष्ट्र की सम्पत्ति का संरक्षक नियुक्त करता है क्योंकि मालिकाना हक उसके पास ही होते हैं। इन्ही संरक्षकों से वह पांच साल बाद पूरा हिसाब–किताब लेता है और मेहनत के अनुसार मजदूरी दे देता है। अतः विपक्षी गठबन्धन 'इंडिया' और सत्तारूढ़ गठबन्धन 'एनडीए' के बीच मतदाताओं से यही मजदूरी पाने की लड़ाई होगी। इसी वजह से दोनों गठबन्धन अपने–अपने विमर्श खड़े करेंगे और मतदाताओं को समझायेंगे कि उनकी मेहनत कम–ज्यादा क्यों रही है। भारत का असली लोकतन्त्र तो यही है जिसमे जनता के सामने विकल्प खड़े किये जाते हैं। अतः लोकतन्त्र में कभी भी जनता को दोष नहीं दिया जाता। अतः इंडिया की 14 सदस्यीय समन्वय समिति को यह ध्यान रखना होगा कि आम लोगों के मुद्दे क्या हैं और उनकी अपेक्षाएं क्या हैं। भारत को एक लोक कल्याणकारी राज का सपना देने वाले गांधी के रास्ते पर चल कर ही इसे पाया जा सकता है अथवा नया बाजारवाद इसका विकल्प हो सकता है ?

अमेरिकी भारत संबंधों में और प्रगढ़ता की आवश्यकता

संजीव ठाकुर

वाशिंगटन की एजेंसी के अनुसार अमेरिका को भारत की चीन के बढ़ते प्रभाव और विस्तारवाद के खिलाफ ज्यादा आवश्यकता होगीस भारत के तेजी से विज्ञान टेक्नोलॉजी और प्रतिरक्षा में बढ़ते कदम को देखते हुए अमेरिका की उप रक्षा मंत्री ने अपने बयान में कहा है की प्रशांत महासागर में ड्रैगन की बढ़ती हसरतों को रोकने के लिए भारत से ज्यादा से ज्यादा प्रतिरक्षा समझौते और सामरिक संयुक्त सैन्य अभ्यास की जरूरत होगी। उन्होंने कहा है कि अमेरिका अब चीन की बढ़ती ताकत को रोकने के लिए हजारों स्वायत्त हथियार प्रणालियों का उपयोग करने की योजना बना रही है।इसके लिए अमेरिका एक विशेष रिप्लिकेटर सामरिक प्रणाली का उपयोग युद्ध के मैदान में करने जा रही है इसके लिए रोबोट और और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस द्वारा स्वचालित शास्त्रों से लैस ड्रोन पद्धति से युद्ध लड़ने पर विचार कर रही है।अब युद्ध का भविष्य बदल चुका है पहले रोबोट और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस विचारों में था लेकिन अब उसे हकीकत में बदलने समय आ गया है। युद्ध के उद्देश्य के लिए

रोबोटिक प्रणाली का ज्यादा से ज्यादा सर्वोत्तम उपयोग किया जाना होगा गौरतलब है कि यूक्रेन में रूस के साथ युद्ध में दिखा दिया है कि रोबोट और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस का वास्तविक दुनिया में कैसे उपयोग किया जाता है। रूस और यूक्रेन युद्ध में यूक्रेन ने रूस के खिलाफ बख्तरबंद वाहनों और तोपखाने का पता लगाने के उन पर रोबोटिक तथा ड्रोन से व्यापक हमले का उपयोग किया है यूक्रेनी नौसेना ने अपने हमलावर ड्रोन से रूस के काला सागर फ्लीट को लगभग पंगु बनाकर उन्हें युद्ध पोत बंदरगाह से आगे नहीं बढ़ने दिया है। इसके अलावा यूक्रेन ने मास्को में ड्रोन अटैक से रूस के मुख्यालय में राष्ट्रपति पुतिन और उसके कमांडरों को मुसीबत में डाल दिया था। उपसेना प्रमुख ने बताया कि अमेरिका की जिम्मेदारी रूस यूक्रेन युद्ध में यूक्रेन को न सुरक्षित रख पाने और चीन पर ताइवान की कुदृष्टि से बचाने के लिए जिम्मेदारी बहुत अहम हो जाती है। ऐसे में अमेरिका तथा नाटो देश अपने दुश्मनों के खिलाफ स्वायत्त रक्षा प्रणाली जिसका सीधा–सीधा मतलब ऐसे रोबोट के उपयोग से है जिसे मानव हस्तक्षेप के बिना जटिल सेवा के अभियानों को अंजाम दिया जा सकता है। इसके अलावा एंट्रीटेबल रक्षा प्रणाली जिसका अर्थ रोबोट को इतना सस्ता बनाकर उसे उच्च प्राथमिकता वाले सेना के मिशन में रोबोट को जोखिम में डालकर इसके नष्ट होने का खतरा मोल लिया जा सकता है। यह रोबोट बहुत ही किफायती होंगे इसलिए इन्हें बड़ी संख्या में बनाया जा सकता है एवं अन्य देश इसे खरीद भी सकते हैं जिसके फल स्वरुप युद्ध में नुकसान की भरपाई की जा सकती है। अब यह तो अब तय हो चुका है कि युद्ध अब अत्यधिक आधुनिक रोबोट टेक्नोलॉजी और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के उपकरणों से लड़े जाएंगे इसके अलावा यदि विश्व युद्ध होता है तो जैविक हथियारों के साथ परमाणु बम का इस्तेमाल भी किया जा सकता है पर यह मानवीय सभ्यता के लिए बहुत ही ज्यादा खतरनाक एवं विनाशकारी होगा। इसका सबक अमेरिका द्वारा जापान के हिरोशिमा तथा नागासाकी में किए गए परमाणु विस्फोटों से ले सकते हैं। भारत सदैव युद्ध के खिलाफ रहा है और परमाणु बम के परीक्षण के समय ही यह नीति स्पष्ट कर दी थी की भारत अपनी रक्षा के लिए परमाणु बम तथा सेना का उपयोग युद्ध के समय करेगा। पर भारत की परमाणु तथा सामरिक शक्ति के अलावा स्पेस टेक्नोलॉजी के बढ़ते प्रभाव के कारण यूरोपीय तथा अमेरिका के सहयोगी देश अब भारत की तरफ दोस्ती का हाथ बढ़ाने के लिए आकर्षित होने लगे हैं। भारत की चंद्रयान तीन की सफलता के बाद भारत का कद अब स्पेस रिसर्च में भी काफी ऊंचा हो गया है चंद्रमा के साउथ पोल में पहुंचने वाला पहला देश बनने के बाद भारत की हैसियत गिनती के देशों में होने लगी है। कुल मिलाकर वैश्विक परिदृश्य युद्ध की पृष्ठभूमि भूमि को तैयार करने में लगा हुआ है। रूस का चीन की तरफ बढ़ता हुआ दोस्ताना रुख, अमेरिका तथा नाटो देशों को चिंता में डाल रहा है और यही वजह है कि एशिया में अ म े रि क ा , ब्र ि ट े न , आस्ट्रेलिया,फ्रांस,कनाडा ,इजरायल अपने शांतिप्रिय मित्र भारत की तरफ तेजी से मित्रता बढ़ाने के लिए अग्रसर हो रहे हैं । यह भारत के लिए शुभ संकेत भी है पर भारत के लिए यह अत्यंत सावधानी का विषय होगा कि वह अपने परंपरागत मित्र रूस से मित्रता में कहीं भी कमी ना आने दे यही भारत की कूटनीतिक सफलता होगी।

कठिन डगर, एक देश, एक चुनाव

प्रेम शर्मा

भारत में फिलहाल राज्यों के विधानसभा और देश के लोकसभा चुनाव अलग–अलग समय पर होते हैं। वन नेशन वन इलेक्शन का मतलब है कि पूरे देश में एक साथ ही लोकसभा और विध ानसभाओं के चुनाव हों। यानी मतदाता लोकसभा और राज्य के विधानसभाओं के सदस्यों को चुनने के लिए एक ही दिन, एक ही समय पर या चरणबद्ध तरीके से अपना वोट डालेंगे। आजादी के बाद 1952, 1957, 1962 और 1967 में लोकसभा और विधानसभा के चुनाव एक साथ ही होते थे, लेकिन 1968 और 1969 में कई विध ानसभाएं समय से पहले ही भंग कर दी गईं। उसके बाद 1970 में लोकसभा भी भंग कर दी गई। इस वजह से एक देश–एक चुनाव की परंपरा टूट गई।लेकिन मई 2014 में जब केंद्र में मोदी सरकार आई, तो कुछ समय बाद ही एक देश और एक चुनाव को लेकर बहस शुरू हो गई। दिसंबर 2015 में लॉ कमीशन ने वन नेशन–वन इलेक्शन पर एक रिपोर्ट पेश की थी। इसमें बताया था कि अगर देश में एक साथ ही लोकसभा और विधानसभा के चुनाव कराए जाते हैं, तो इससे करोड़ों रुपए बचाए जा सकते हैं। इसके साथ ही बार–बार चुनाव आचार संहिता न लगने की वजह से डेवलपमेंट वर्क पर भी असर नहीं पड़ेगा। इन्हीं बातों को ध्यान में रखते हुए 2015 में सिफारिश की गई थी कि देश में एक साथ चुनाव कराए जाने चाहिए। पीएम मोदी ने जून 2019 में पहली बार औपचारिक तौर पर सभी पार्टियों के साथ इस मसले पर विचार विमर्श के लिए बैठक बुलाई थी। तब केंद्रीय मंत्री और वरिष्ठ भाजपा नेता रवि शंकर प्रसाद ने कहा था कि देश में कमोबेश हर महीने चुनाव होते हैं, उसमें खर्चा होता है। आचार संहिता लगने के कारण कई प्रशासनिक काम भी रुक जाते हैं। हालांकि, कई पार्टियों ने विरोध दर्ज कराया था। 2020 में पीएम मोदी ने एक सम्मेलन में वन नेशन वन इलेक्शन को भारत की जरूरत बताया था। बहरहाल एक बार फिर आगमी लोक सभा चुनाव से कुछ माह पहले ही 'एक देश–एक चुनाव' के लिए पूर्व राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद की अध्यक्षता में बनाई गई समिति के लिए सरकार ने आठ सदस्यों का नाम जारी किया।इनमें केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह, लोकसभा में कांग्रेस के नेता अधीर रंजन चौधरी और राज्यसभा में पूर्व नेता प्रतिपक्ष गुलाम नबी का नाम शामिल रहा। इनके अलावा समिति में 15वें वित्त आयोग के पूर्व अध्यक्ष एनके सिंह, लोकसभा के पूर्व महासचिव डॉ. सुभाष कश्यप, वरिष्ठ अधिवक्ता हरीश साल्वे और पूर्व मुख्य सतर्कता आयुक्त संजय कोठारी भी हैं। केंद्रीय कानून मंत्री अर्जुन राम मेघवाल समिति में विशेष आमंत्रित सदस्य और विधि विभाग के सचिव नितेन चंद्र समिति के सचिव होंगे।संसदीय कार्यमंत्री प्रह्लाद जोशी द्वारा सोशल मीडिया पर संसद का विशेष सत्र बुलाये जाने की सूचना दिये जाने के बाद कई नये विमर्श सामने आ रहे हैं। इधर केंद्र सरकार द्वारा संसद का यह विशेष सत्र पांच दिनों के लिये 18 से 22 सितंबर के बीच बुलाया गया है। यूं तो विगत में भी कई बार विशेष सत्र बुलाए गए हैं लेकिन जब इस साल पांच राज्यों में विध ानसभा और अगले साल कुछ राज्यों की विधानसभा के साथ लोकसभा के चुनाव होने हैं, तो इस विशेष सत्र को लेकर कयासों का बाजार गर्म है। कहा जा रहा है कि केंद्र सरकार 'एक देश, एक चुनाव' के एजेंडे पर आगे बढ़ सकती है। हालांकि, संसदीय कार्यमंत्री ने विशेष सत्र के एजेंडे के बारे में कोई संकेत नहीं दिये हैं, लेकिन संसद के विशेष सत्र की घोषणा के बाद 'एक देश एक चुनाव' पर एक समिति बनाये जाने से इन चर्चाओं को बल मिला है। मोदी सरकार ने पूर्व राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद की अध्यक्षता में 'एक देश एक चुनाव' की संभावना तलाशने के लिये एक समिति गठित की है। संसदीय कार्यमंत्री की दलील है कि समिति इस मुद्दे पर रिपोर्ट तैयार करेगी, उस पर विमर्श होगा, संसद में चर्चा होगी। यह भी कि पुराने व सबसे बड़े लोकतंत्र के सामने नये विषयों का आना व चर्चा होना सामान्य बात है। दलील दी जा रही है कि 1967 तक देश में लोकसभा व विधानसभा चुनाव एक साथ होते थे, मौजूदा दौर में इस मुद्दे पर चर्चा तो होनी चाहिए। वैसे भी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी एक देश, एक चुनाव के मुद्दे पर चर्चा करते रहे हैं। इस मुद्दे पर एक सर्वदलीय बैठक भी बुलाई गई थी। राष्ट्रपति रहते हुए भी रामनाथ कोविंद ने कहा था कि देश की ऊर्जा व धन की बचत के लिये एक साथ चुनाव होने चाहिए। तर्क दिया गया था कि बार–बार आचार संहिता लागू होने से विकास की प्रक्रिया बाधित होती है। प्रश्न तो बहुत है जैसे क्या विपक्ष को विश्वास में लिये बिना राजग सरकार इतना बड़ा कदम उठा सकती है ? क्या ये संविधान सम्मत है ? क्या इस बड़े बदलाव के लिये संसद में राजग के पास जरूरी बहुमत है ? राजनीतिक पंडित कयास लगा रहे हैं कि यह सत्र संसद को पुरानी इमारत से नई इमारत में शिफ्ट करने के इरादे से बुलाया जा रहा होगा। संभव है कि कोई अन्य महत्वपूर्ण बिल सरकार पारित करवाना चाहती होगी। दूसरी ओर विपक्षी नेता आरोप लगाते हैं कि सरकार यह कदम ऐसे समय में उठा रही है जब मोदी सरकार का दूसरा कार्यकाल समाप्ति की ओर है। राजग राजस्थान, मध यप्रदेश व छत्तीसगढ़ के चुनाव परिदृश्य को लेकर चिंतित है। नया मुद्दा राजग को राजनीतिक रूप से लाभ देगा, पार्टी इस सोच के साथ आगे बढ़ रही है। कुछ लोग मानते हैं कि राज्यों में विधानसभा चुनावों को केंद्र आम चुनाव के साथ आगे बढ़ाने की कोशिश कर सकता है। आम चुनावों के साथ भी चार राज्यों में विधानसभा चुनाव होने हैं। वहीं विशेष सत्र में अमृतकाल के दौरान सार्थक चर्चा की बात राजग नेता करते हैं। कयास हैं कि इस दौरान जी–20 शिखर सम्मेलन की उपलब्धि को लेकर भी चर्चा हो सकती है। कयास यह भी हैं कि सरकार इस दौरान महिला आरक्षण बिल भी ला सकती है। बहुत संभव है सरकार घरेलू राजनीति व विश्व जनमत को प्रभावित करने वाले मुद्दों को इस सत्र में ला सकती है। जी–20 सम्मेलन के ठीक बाद होने वाले विशेष सत्र में सरकार चंद्रयान आदि अन्य उपलब्धियों पर चर्चा करा सकती है। मुद्दा अक्तूबर में होने वाले जी–20 देशों के संसदीय अध यक्षों का भी हो सकता है। उल्लेखनीय है कि भारत छोड़ो आंदोलन व आजादी के पचास साल होने पर भी संसद के विशेष सत्र बुलाए गये थे। वहीं कुछ विपक्षी नेता कहते हैं कि मुंबई में चल रही विपक्षी गठबंधन की एकता बैठक की खबरों को प्रभावित करने के लिये विशेष सत्र का मुद्दा उछाला गया है। कुछ नेता इसे शीतकालीन सत्र को टालने का उपक्रम बता रहे हैं ताकि पांच राज्यों के विधानसभा चुनावों के साथ लोकसभा के चुनाव कराये जा सकें। बहरहाल जिस तरह से पूर्व राष्ट्रपति की अध्यक्षता में समिति बनाई गई उससे यही संदेश सामने आ रहा है कि प्रध ानमंत्री मोदी वन नेशन वन इलेक्शन को लेकर गम्भीर है। हालांकि सीएसडीएस के प्रोफेसर संजय कुमार के मुताबिक वन नेशन वन इलेक्शन को लेकर दो सिनेरियो हैं– संसद कानून बना सकती है या इसके लिए दो–तिहाई राज्यों की रजामंदी की जरूरत होगी।अगर बाकी राज्यों से सहमति लेने की जरूरत हुई तो ज्यादातर गैर भाजपा सरकारें इसका विरोध करेंगी। अगर सिर्फ संसद से पारित कराकर कानून बनाना संभव हुआ तो भी कई मुश्किलें होंगी। जैसे– एक साथ चुनाव कब कराया जाए ? जिन राज्यों में अभी चुनाव हुए उनका क्या होगा ? क्या इन सरकारों को बर्खास्त कर दिया जाएगा ? साफ है कि कानूनी तौर पर कई अड़चनें आने वाली हैं। मेरा मानना है कि कानूनी आधार पर इस समस्या का हल कर पाना संभव नहीं है। इसके लिए दूसरे राज्यों की सहमति बहुत जरूरी है। पॉलिटिकल एक्सपर्ट राशिद किदवई के मुताबिक अभी जिन राज्यों में हाल में सरकार चुनी गई है, वो इसका विरोध करेंगे। एक बात साफ है कि अगर सरकार ऐसा करेगी तो इस मामले का सुप्रीम कोर्ट में जाना तय है। हालांकि दुनिया के कई देश पहले से ही वन नेशन वन इलेक्शन के फॉर्मूले पर चल रहे हैं। इन देशों में जर्मनी, हंगरी, दक्षिण अफ्रीका, इंडोनेशिया, स्पेन, स्लोवेनिया, अल्बानिया, पोलैंड और बेल्जियम जैसे देशों में एक ही बार चुनाव कराने की परंपरा है. पिछले दिनों स्वीडन ने भी एक साथ अपने चुनाव कराए थे, जिसके बाद ये भी उन देशों की लिस्ट में शामिल हो गया जो वन नेशन वन इलेक्शन के फॉर्मूले पर चल रहे हैं। हालांकि भारत में एक देश एक चुनाव की परम्परा की शुरूआत होना अब आसान नही है। इसके बावजूद ऐसा होता है तो इसके फायदे और नुकसान को नकारा नही जा सकता।

लायन्स क्लब क्षितिज ने शिक्षक दिवस पर शिक्षको को किया सम्मानित

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। लायंस क्लब जौनपुर क्षितिज द्वारा डॉ0 सर्वपल्ली राधाकृष्णन के जन्म दिन को शिक्षक दिवस के रूप में मनाए जाने के तहत आज शिक्षक दिवस की पूर्व संध्या पर शिक्षकों का सम्मान समारोह शहर के एक होटल में में किया गया। मुख्य अतिथि प्रोफेसर आर एन त्रिपाठी सदस्य लोक सेवा आयोग पूर्व रहे अध्यक्षता संस्था के अध्यक्ष लायन धर्मेन्द्र सेठ ने किया। इस अवसर पर पूर्व अध्यक्ष दिलीप सिंह व जय कृष्ण साहू ,चेयरपर्सन किरन सेठ , सचिव प्रदीप कुमार श्रीवास्तव, कार्यक्रम संयोजक लायन हाफिज शाह व मुख्य अतिथि दीप प्रज्वलित कर सरस्वती मां का वंदन व डॉ0 सर्वपल्ली राधाकृष्णन के छाया चित्र पर माल्यार्पण एवं पुष्पांजलि अर्पित किया। अतिथियों को स्मृति चिन्ह प्रदान कर सम्मानित किया। सभी अतिथियों का स्वागत व अभिनंदन अध्यक्ष लायन धर्मेन्द्र सेठ ने किया।

सम्मान की इस कड़ी में शिक्षा के क्षेत्र में अपनी इच्छा शक्ति से अपनी अमिट छाप छोड़ते हुए समाज और देश के भविष्य बच्चों एवं नौजवानों को सही दिशा में ले जाने को दृढ़ संकल्पित सम्मानित शिक्षक श्री आलोक त्रिपाठी, श्रीमती नरायनी श्रीवास्तव ,श्रीमती कामना सिंह, डॉक्टर गौरव खत्री, डॉक्टर सुबाष चंद्र कैप्टन इन्दृजीत सिंह, प्रोफेसर आर एन त्रिपाठी का माल्यार्पण कर व सम्मान पत्र प्रदान कर सम्मानित

किया गया। संस्था के द्वारा आयोजित शिक्षक दिवस सम्मान समारोह में प्रोफेसर आर एन त्रिपाठी ने अपने अनुभवों को साझा किया, और अपने उदबोधन में कहा कि आज देश के नौजवानों में राष्ट्रप्रेम समाज सेवा का बोध कराने का जुनून संकल्पित कार्य सिर्फ शिक्षकजनों के द्वारा ही संभव हो सकता है। शिक्षक अपने छात्र का मार्गदर्शन कर उसके सपनों को साकार करने में महत्वपूर्ण भूमिका का निर्वहन करता है। हमारे देश में शिक्षक को ईश्वर स्वरूप में पूजन करने की परंपरा रही है, शिक्षक को इस तरह से ऊपर का दर्जा दिया जाता रहा है।शिक्षक का समाज एवं देश के प्रति उनके नैतिक दायित्वों का महत्व बताते हुए कहा कि आज की विषम परिस्थितियों में शिक्षक ही राष्ट्र को सही दिशा में ले जाने में महत्वपूर्ण भूमिका का निर्वहन कर सकता है। संस्थपक अध्यक्ष शशांक सिंह रानू ने कहा कि लायंस क्लब समाज एवं मानव सेवा के क्षेत्र में हमेशा अग्रणी भूमिका निभाता रहा है और आज शिक्षक दिवस पर गुरुजनों का सम्मान समारोह आयोजित कर बहुत ही सराहनीय एवं सुखद अनुभूति करा रहा है। आयोजन का सफल संचालन लायन लेडी अर्चना सिंह ने किया। आयोजन में लायंस क्लब क्षितिज के सम्मानित सदस्य संजय बैंकर, देव आनन्द ,प्रदीप सिंह, संजय गुप्ता, हसन अब्बास, अजीत सोनकर, डॉ चंदन नाथ, डॉ प्रशांत ,मनीष मौर्य, सुनील जायसवाल, कौशल त्रिपाठी, राजीव गुप्ता, सर्वेश जयसवाल, दिलीप जायसवाल, सुनील कनौजिया संजय जायसवाल, नीरज कुमार सिंह आदि सदस्यगण उपस्थित रहे कार्यक्रम संयोजक हफीज शाह ने उपस्थित सभी अतिथियों का धन्यवाद ज्ञापित किया।

गोकुल ग्राम वासियों द्वारा विगत वर्षों की भांति इस वर्ष भी आवास विकास कॉलोनी ब्लॉक संख्या–34 पर धूमधाम से मनाया जायेगा श्री कृष्ण जन्मोत्सव

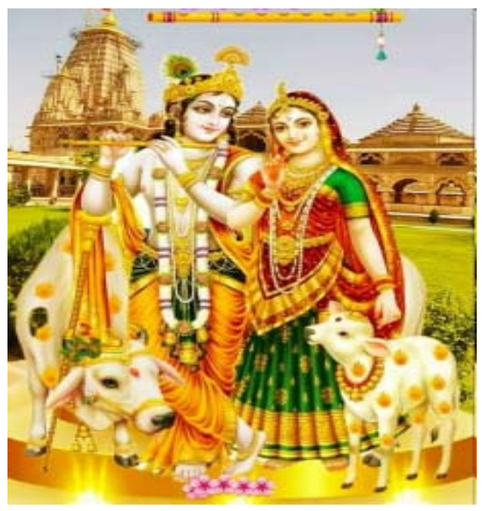

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय

लखनऊ। राष्ट्रधर्म सर्वोपरि का उपदेश देने वाले भगवान श्रीकृष्ण की असीम अनुकम्पा से अगली पीढ़ी में सांस्कृतिक विरासत को हस्तांतरित करने हेतु इस बार छठवा जन्माष्टमी का पर्व समस्त गोकुल ग्राम वासियों के सहयोग से कॉलोनी के ब्लॉक संख्या–34 पर धूमधाम से मनाया जायेगा। कार्यक्रम विवरण– तिथि–07/09/2023 समय–सायं, 6बजे से प्रभु के धरा पर अवतरण तक। भजन, कीर्तन एवं नौनिहालो द्वारा सांस्कृतिक प्रस्तुति,व प्रसाद वितरण किया जाएगा। मुख्य अतिथि के रुप मे उपविजेता विधायक श्री अंजनी श्रीवास्तव जी लखनऊ पश्चिम विधानसभा एव विशिष्ट अतिथि पार्षद विनोद यादव उपस्थित रहेंगे उक्त जानकारी एडवोकेट के के राय ने दी।

मारवाड़ी युवा मंच ने निकाली साइकिल रैली

संवाददाता

लखनऊ। अखिल भारतीय मारवाड़ी युवा मंच द्वारा साइकिल रैली साइक्लोथॉन का आयोजन रविवार को प्रातः 7 बजे, महाराजा अग्रसेन पब्लिक स्कूल सेक्टर–8 जानकीपुरम में किया गया। जिसको लखनऊ में मुस्कान शाखा ,श्रद्धा शाखा, अवध शाखा और लखनऊ शाखा द्वारा आयोजित किया गया। कार्यक्रम में 6 साल के बच्चों से लेकर 60 वर्ष के बुजुर्ग सभी उम्र के प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया। लगभग 600 बच्चों ने साइकिल से 2 किलोमीटर का सफर तय किया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि नेहा अग्रवाल, प्रांतीय अध्यक्ष उत्तर प्रदेश मारवाड़ी युवा मंच विशिष्ट अतिथि नीलेश अग्रवाल (टाटा), जनसंपर्क अधिकारी उत्तर प्रदेश प्रांतीय मारवाड़ी मंच एवं अनुराग अग्रवाल प्रांतीय उपाध्यक्ष रहे।

व्यापारियों के संयुक्त प्रयास से व्यापार मंडल मजबूत होता है-दिनेश टंडन

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। जिला उद्योग व्यापार मंडल की एक अति आवश्यक बैठक सुत्तहट्टी बाजार स्थित जिला कैंप कार्यालय पर आहूत की गई जिसमें जनपद के प्रतिष्ठित व्यवसायी अशोक साहू को जिला अध्यक्ष दिनेश टंडन ने जिला उपाध्यक्ष के पद पर मनोनीत करते हुए कहा कि व्यापारियों के संयुक्त प्रयास से ही व्यापार मंडल को मजबूती मिलती है आपके जुड़ने से से व्यापार मंडल और मजबूत होगा, बैठक में उपस्थित प्रदेश उपाध्यक्ष सोमेश्वर केसरवानी एवं नगर अध्यक्ष राधेरमण जायसवाल ने संयुक्त रूप से कहा कि अच्छे और प्रबुद्ध व्यापारियों को जोड़ने से व्यापार मंडल को ताकत के साथ मजबूती मिलती है अशोक साहू जनपद के प्रतिष्ठित व्यापारी है आप सदा व्यापारियों के सहयोग के लिए तत्पर रहते हैं आपको नई जिम्मेदारी के लिए ढेर सारी बधाइयां नवनियुक्त जिला उपाध्यक्ष अशोक साहू ने जौनपुर उद्योग व्यापार मंडल का आभार प्रकट करते हुए कहा कि व्यापार मंडल की लड़ाई में मेरा संपूर्ण योगदान रहेगा जहां भी मेरी आवश्यकता होगी तन मन धन से मैं सहयोग करने को तैयार रहूंगा, बैठक में उपस्थित जिला महामंत्री रामकुमार साहू,नगर महामंत्री मुन्नालाल अग्रहरि,अरुण कपूर, संतोष साहू, ज्ञानेंद्र साहू, चेतन टंडन, मनोज साहू,विजय जायसवाल, आशीष कुमार आदि व्यापारीगण उपस्थित रहे।

ट्रैक्टर की चपेट में आने से बहन की मौत भाई घायल

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। तेजीबाजार थाना क्षेत्र में तेज रफ्तार ट्रैक्टर की चपेट में आकर 12 वर्षीय बच्ची की दर्दनाक मौत हो गयी।वही उसका बड़ा भाई गम्भीर रूप से घायल हो गया है।जानकारी के अनुसार गौरा कला गांव निवासी भाई– बहन घर के बगल बाग मे बकरी चरा रहे थे उसी समय बगल जा रहीं सड़क पर तेज रफ्तार से आ रहे ट्रैक्टर की चपेट में आने से 18 वर्षीय लक्ष्मी गौतम पुत्री सभाजीत गौतम की मौके पर ही मृत्यु हो गयी जबकि सगा भाई शिवम गौतम पुत्र सभाजीत गौतम गंभीर रूप से घायल हो गया जिसे घर वाले आनन फानन में जौनपुर हॉस्पिटल ले गये जहां बेहतर उपचार हेतु डॉक्टरों की टीम ने वाराणसी के लिए रेफर कर दिया। मौके पर पहुंचे तेजीबाजार थानाध्यक्ष राम प्रवेश कुशवाहा ने आवश्यक कारवाई करते हुए बच्ची के शव को पोस्टमार्टम हेतु भेज दिया है।

बच्ची की दर्दनाक मौत को लेकर पूरे गाँव में मातम छा गया वही भाई बहन, माता–पिता व परिवार का रो–रोकर बुरा हाल हो गया है।

राज्यसभा उपचुनाव, दावेदार थे अनेक,दिनेश पड़े भारी

संवाददाता

लखनऊ। लोकसभा चुनाव से पहले बीजेपी ने यूपी से राज्यसभा की एक सीट को लेकर बाद मंथन डा दिनेश शर्मा को राज्यसभा सदस्य पद के लिये उम्मीदवार बनाने का फैसला किया है।

श्रीराम रेखा सिंह इण्टर कालेज उरुवा के प्रधानाचार्य ने शिक्षकों पर गाड़ी चढ़ाने का किया प्रयास

गोरखपुर मंडल प्रभारी आशुतोष चौधरी

सिकरीगंज थाना क्षेत्र के घुचियारी में स्थित श्री राम रेखा सिंह इंटर कालेज के शिक्षक दिन शनिवार को मुख्य द्वार पर बैठकर प्रधानाचार्य डॉ अनिल मिश्र से वेतन रुकने की बात करने के लिए कुर्सी लगाकर बैठे थे।विद्यालय समाप्ति के बाद प्रधानाचार्य द्वारा बैठे शिक्षकों पर गाड़ी चढ़ा कर उन्हें कुचलने का प्रयास किया गया।आक्रोशित शिक्षकों ने घटना की लिखित सूचना सिकरीगंज पुलिस को देकर कार्यवाही की मांग किया है।

शिक्षको ने प्रधानाचार्य के खिलाफ थाने में तहरीर दी है की अगस्त माह का अन्य विद्यालयों के साथ वेतन न आने के कारण दिनांक 02/09/2023 को

विद्यालय का पठन–पाठन संपन्न होने के बाद विद्यालय के मुख्य द्वार पर प्रधानाचार्य जी से इस संबंध में वार्ता करने के लिए प्रतीक्षा कर रहे थे इसी दौरान प्रधानाचार्य जी अपनी गाड़ी महिंद्रा XUV 300 UP **53 DX 5773** लेकर गेट पर प्रतीक्षारत शिक्षकों को कुचलने के उद्देश्य से आगे चले आए जिससे शिक्षक भयभीत हो गए शिक्षकों से मात्र 10 सेंटीमीटर की दूरी पर तेज ब्रेक लगाकर गाड़ी खड़ा कर बहुत आवेश मे अमर्यादित बात करने लगे जिसका कई वीडियो रिकॉर्डिंग शिक्षकों के पास सुरक्षित है तथा विद्यालय में लगे सीसीटीवी कैमरे के रिकॉर्डिंग से और प्रमाण प्रमाणित किया जा सकता है।

उत्तर प्रदेश माध्यमिक शिक्षक संघ इकाई के अध्यक्ष सुरेंद्र प्रताप सिंह के नेतृत्व में शिक्षकों का प्रतिनिधि मंडल थानाध्यक्ष सिकरीगंज मनीष यादव से मिलकर प्रार्थनापत्र देकर प्रधानाचार्य के विरुद्ध मुकदमा दर्ज करने की माँग की।व ने जांच कर कार्यवाई का आश्वासन दिया है।

गणेश महोत्सव की तैयारियों में तेजी शुरू गजानन की प्रतिमा को अंतिम आकार देने में जुटे कारीगर

हरदोई (अम्बरीष कुमार सक्सेना) कछौना में गणेश उत्सव की तैयारी तेजी से चल रही है। मूर्तिकार गणेश प्रतिमा को अंतिम आकार देने में जुटे हुए हैं। पर्यावरण संरक्षण के दृष्टिगत इको फ्रेंडली प्रतिमा का निर्माण किया जा रहा है।

नगर पंचायत कछौना पतसेनी में विगत वर्षों की भांति इस वर्ष भी पांच दिवसीय 12वें भव्य श्री गणेश महोत्सव का आयोजन होना है। जिसका शुभारंभ 19 सितंबर को गणेश चतुर्थी से होगा। आयोजक सोमेश्वर महादेव सेवादार समिति के संस्थापक नेताजी राव मराठा के मुताबिक गणेशोत्सव की तैयारियां लगभग अंतिम चरण में है। नगर के पुरानी बाजार में पश्चिम बंगाल से आए कुशल कारीगरों द्वारा प्रथम पूज्य भगवान श्री गणेश की लगभग 8 फीट ऊंची प्रतिमा बनाने का कार्य किया जा रहा है। गणेश चतुर्थी को नगर में स्थापना यात्रा निकालकर विधि–विधान से पूजन के बाद गजानन की प्रतिमा को महोत्सव के पंडाल में स्थापित किया जाएगा।

पश्चिम बंगाल के बालुरघाट शहर से आये मूर्तिकार सुशील पाल व निधीर हलदार ने बताया कि गणेश जी की प्रतिमा को बनाने में लगभग 1 महीने से अधिक का समय लगता है। हम लोग महीने भर पहले से आकर प्रतिमा को बनाने में जुट जाते है। मूर्तिकारों ने बताया कि गणपति बप्पा की इको फ्रेंडली प्रतिमा बना रहे हैं, निर्माण में किसी भी ऐसी सामग्री का प्रयोग नहीं करते हैं जो पर्यावरण के लिए नुकसानदायक हो।

शिक्षक दिवस 5 सितंबर को विशेष

डॉ.राधाकृष्णन ने अपने लेखों और भाषणों के माध्यम से विश्व को भारतीय दर्शन शास्त्र से परिचित कराया : अम्बरीष

हरदोई। शिव सत्संग मण्डल के अध्यात्मिक गुरू अम्बरीष कुमार सक्सेना के अनुसार डॉक्टर सर्वपल्ली राधाकृष्णन की जन्म जयंती के उपलक्ष्य में शिक्षक दिवस हर वर्ष 05 सितंबर को मनाया जाता है। वह एक प्रसिद्ध विद्वान, भारत रत्न और देश के पहले उपराष्ट्रपति होने के साथ वह स्वतंत्र भारत के दूसरे राष्ट्रपति भी थे।

5 सितंबर 1888 को चेन्नई से लगभग 200 किलोमीटर उत्तर–पश्चिम में स्थित एक छोटे से कस्बे तिरुताणी में डॉक्टर राधाकृष्णन का जन्म हुआ था। उनके पिता का नाम सर्वपल्ली वी. रामास्वामी और माता का नाम श्रीमती सीता झा था। रामास्वामी एक गरीब ब्राह्मण थे और तिरुताणी कस्बे के जमींदार के यहां एक साधारण कर्मचारी के समान कार्य करते थे।

डॉक्टर राधाकृष्णन अपने पिता की दूसरी संतान थे। उनके चार भाई और एक छोटी बहन थी छः बहन–भाईयों और दो माता–पिता को मिलाकर आठ सदस्यों के इस परिवार की आय अत्यंत सीमित थी। इस सीमित आय में भी डॉक्टर राधाकृष्णन ने सिद्ध कर दिया कि प्रतिभा किसी की मोहताज नहीं होती। उन्होंने न केवल महान शिक्षाविद के रूप में ख्याति प्राप्त की,बल्कि देश के सर्वोच्च राष्ट्रपति पद को भी सुशोभित किया।

स्वतंत्र भारत के पहले उपराष्ट्रपति और दूसरे राष्ट्रपति सर्वपल्ली राधाकृष्णन को बचपन में कई प्रकार की कठिनाइयों का सामना करना पड़ा। सर्वपल्ली राधाकृष्णन का शुरुआती जीवन तिरुतनी और तिरुपति जैसे धार्मिक स्थलों पर ही बीता।

यद्यपि इनके पिता धार्मिक विचारों वाले इंसान थे लेकिन फिर भी उन्होंने राधाकृष्णन को पढ़ने के लिए क्रिश्चियन मिशनरी संस्था लुथर्न मिशन स्कूल,तिरुपति में दाखिल कराया। इसके बाद उन्होंने वेल्लूर और मद्रास कॉलेजों में शिक्षा प्राप्त की।

वह शुरू से ही एक मेधावी छात्र थे। अपने विद्यार्थी जीवन में ही उन्होंने बाइबल के महत्वपूर्ण अंश याद कर लिए थे,जिसके लिए उन्हें विशिष्ट योग्यता का सम्मान भी प्रदान किया गया था। उन्होंने वीर सावरकर और विवेकानंद के आदर्शों का भी गहन अध्ययन कर लिया था। सन 1902 में उन्होंने मैट्रिक की परीक्षा अच्छे अंकों में उत्तीर्ण की जिसके लिए उन्हें छात्रवृत्ति प्रदान की गई।

कला संकाय में स्नातक की परीक्षा में वह प्रथम आए। इसके बाद उन्होंने दर्शनशास्त्र में स्नातकोत्तर किया और जल्द ही मद्रास रेजीडेंसी कॉलेज में दर्शनशास्त्र के सहायक प्राध्यापक नियुक्त हुए। डॉ.राधाकृष्णन ने अपने लेखों और भाषणों के माध्यम से विश्व को भारतीय दर्शन शास्त्र से परिचित कराया।

उस समय मद्रास के ब्राह्मण परिवारों में कम उम्र में ही शादी सम्पन्न हो जाती थी और राधाकृष्णन भी उसके अपवाद नहीं रहे। 1903 में 16 वर्ष की आयु में ही उनका विवाह दूर के रिश्ते की बहनशिवाकामूश्के साथ सम्पन्न हो गया। उस समय उनकी पत्नी की आयु मात्र 10 वर्ष की थी।

व्यक्तित्व – डॉक्टर सर्वपल्ली राधाकृष्णन भारतीय संस्कृति के ज्ञानी,एक महान शिक्षाविद,महान दार्शनिक,महान वक्ता होने के साथ ही विज्ञानी हिन्दू विचारक भी थे। राधाकृष्णन ने अपने जीवन के 40 वर्ष एक शिक्षक के रूप में बिताए। वह एक आदर्श शिक्षक थे। डॉक्टर राधाकृष्णन के पुत्र डॉक्टर एस. गोपाल ने 1989 में उनकी जीवनी का प्रकाशन भी किया। इसके पूर्व डॉक्टर सर्वपल्ली राधाकृष्णन के व्यक्तित्व तथा जीवन की घटनाओं के सम्बन्ध में किसी को भी आधिकारिक जानकारी नहीं थी।

स्वयं उनके पुत्र ने भी माना कि उनके पिता की व्यक्तिगत जिदंगी के विषय में लिखना एक बड़ी चुनौती थी।

हैदराबाद के प्रसिद्ध न्यूरोसर्जन डॉ नवीन मेहरोत्रा, परामर्श के लिए, अब उपलब्ध हैं लखनऊ में

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय

लखनऊ। केआईएमएस सनशाइन अस्पताल हैदराबाद, के प्रसिद्ध न्यूरोसर्जन डॉ नवीन महरोत्रा, जिनके पास मस्तिष्क और स्पाइन के जटिल विकारों के इलाज का २० वर्षों से अधिक का अनुभव है।

वे अमेरिकन एसोसिएशन ऑफ न्यूरोलॉजिकल सर्जन द्वारा प्रदत्त इंटरनेशनल विजिटिंग सर्जन फेलोशिप अवार्ड के प्राप्तकर्ता हैं। वे कनाडा में आयोजित बाल चिकित्सा न्यूरोसर्जरी में फेलोशिप के प्राप्तकर्ता हैं। वे 3 सितंबर 2023 को अवध अस्पताल श्रृंगार नगर में परामर्श के लिए उपलब्ध थे ८ जहां उन्होंने 50 से अधिक गंभीर मरीजों को सलाह दी। केआईएमएस सनशाइन अत्याधुनिक, उन्नत और नवीनतम तकनीक से युक्त एक मल्टीस्पेशलिटी अस्पताल है, जो उच्च स्वास्थ्य सेवाएँ प्रदान करता है। केआईएमएस सनशाइन का न्यूरोसर्जरी विभाग अंतरराष्ट्रीय मनकों के अनुरूप परिणामों के साथ साथ जटिल वयस्क और बाल चिकित्सा, मस्तिष्क और रीढ़ की विकृति के इलाज में प्रमुख है। यह प्रसिद्ध केआईएमएस समूह का हिस्सा है जो अपने अंग प्रत्यारोपण, संयुक्त प्रतिस्थापन और न्यूरोसर्जरी कार्यक्रमों के लिए प्रसिद्ध है।

विशेषज्ञ न्यूरोएनेस्थीसिया और न्यूरोक्रिटिकल टीम के साथ समर्पित न्यूरो ओटी की उपलब्धता और आधुनिक उपकरण जैसे इंट्राऑपरेटिव मॉनिटरिंग, न्यूरोनेविगेशन, ऑपरेटिंग माइक्रोस्कोप और एंडोस्कोप हमें उत्कृष्ट न्यूरोसर्जिकल परिणाम प्राप्त करने की योग्यता देते हैं।

कैथलैब की उपलब्धता हमें तीव्र स्ट्रोक के लिए थ्रोम्बेक्टोमी सहित जटिल सेरेब्रोवास्कुलर प्रक्रियाएँ करने की कुशलता देती हैं।

डॉ. नवीन मेहरोत्रा, अवेक क्रेनियोटोमी एवं सभी प्रकार के मस्तिष्क और रीढ़ की हड्डी के ट्यूमर के इलाज में विशेष रुचि रखते हैं।

उनके पास नवजात शिशु की सर्जरी सहित बाल चिकित्सा न्यूरोसर्जिकल मामलों के लिए विशेष प्रशिक्षण है। ट्राइजेमिनल न्यूराल्जिया के लिए सर्जरी,कृत्रिम डिस्क प्रतिस्थापन और मिर्गी की सर्जरी में भी उन्हें विशिष्ट कौशल प्राप्त है।

किसी भी निदानित न्यूरो रोग से पीड़ित कोई भी रोगी (वयस्कध्बच्चा) दूसरी राय के लिए आ सकता है, ट्यूमर, पक्षाघात, ट्राइजेमिनल न्यूराल्जिया,हाइड्रोसिफलस, या मस्तिष्क में थक्के से पीड़ित कोई भी रोगी उनकी सेवाओं का लाभ उठा सकते हैं।

परामर्श हेतु वे प्रत्येक मास के पहले रविवार को अवध अस्पताल, लखनऊ का दौरा करेंगे।

मीडिया से जुड़े शासनादेश के खिलाफ प्रदर्शन आज

संवाददाता

लखनऊ। उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा मीडिया की आवाज दबाने के लिए परित शासनादेश 16 अगस्त के विरोध में आजाद अधिकार सेना कल 4 सितंबर को पूरे प्रदेश में धरना प्रदर्शन करेगी। आजाद अधिकार सेना के पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अमिताभ ठाकुर ने कहा कि इस आदेश में के जरिए मीडिया पर अवांछनीय नियंत्रण बनाए जाने का प्रयास किया जा रहा है।

एक देश एक कानून के लिए अयोध्या में मुस्लिम पक्षकार ने मांगी दुआ तो रामलला के पुजारी ने रामलला से मांगा आशीर्वाद

अयोध्या (डीकेयू लाइव ब्यूरो) सुरेंद्र कुमार। एक देश एक कानून के लिए अयोध्या में मुस्लिम पक्षकार ने मांगी दुआ तो रामलला के पुजारी ने रामलला से मांगा आशीर्वाद,देश की सोच को लेकर अयोध्या की खूबसूरत तस्वीर हो,एक देश एक कानून एक चुनाव को लेकर राम जन्मभूमि मंदिर के पुजारी और बाबरी मस्जिद के पूर्व पक्षकार इकबाल अंसारी ने दुआ की और प्रार्थना,जगतगुरु परमहंस आचार्य और इकबाल अंसारी ने भी अपने–अपने तरीके से एक देश से चुनाव के लिए दुआ और प्रार्थना की। एक देश एक चुनाव होगा तो खर्च कम होंगे और पैसा सरकार देश के विकास में लगाएगी,धर्म और जात से ऊपर उठकर लोगों को इसके समर्थन में आवाज उठानी चाहिए।

पुरानी पेंशन बहाली समेत 18 सूत्री मांगों के समर्थन को लेकर जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी कार्यालय पर शिक्षकों का होगा भारी जमवाड़ा

अयोध्या (क्राइम रिपोर्टर) मुकेश कुमार। पुरानी पेंशन बहाली समेत 18 सूत्री मांगों के समर्थन में प्रस्तावित धरने में उत्तर प्रदेशीय प्राथमिक शिक्षक संघ के आवाहन पर जिला बेसिक शिक्षाधिकारी कार्यालय पर शिक्षकों का भारी जमावड़ा होगा। जिलाध्यक्ष नीलमणि त्रिपाठी ने कहा कि शासन व प्रशासन के उदासीन रवैया से शिक्षक परेशान होकर सड़कों पर उतर रहा है। जिला मंत्री चक्रवर्ती सिंह ने कहा कि भारी संख्या में शिक्षक इकट्ठा होकर अपनी ताकत का एहसास कराएंगे। जिला कोषाध्यक्ष वीरेंद्र भारती ने शिक्षक समस्याओं को अनसुना किए जाने पर रोष व्यक्त किया है।

जिला उपाध्यक्ष ओम प्रकाश यादव ने बताया की धरने के लिए सभी तैयारियां मुकम्मल हो चुकी है। धरना पूर्वानुम 11रू00 बजे से 4रू00 बजे तक चलेगा जिसमें मुख्यमंत्री को संबोधित विज्ञापन जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी के द्वारा सौंपा जाएगा। ब्लाकवार जिम्मेदारियां तय की गयी है। रुदौली से अविनाश पांडे, सत्येंद्रपाल सिंह, मोध् गयास रामानुज तिवारी, रामकृष्ण गुप्ता, राम सुरेश,निधि पाठक, मवई से अमरेंद्र प्रताप सिंह, मोहम्मद आरिफ खान, संजय सिंह, प्रहलाद गौतम, अमानीगंज से अजय सिंह,जयहिंद सिंह, उद्धव श्याम तिवारी, प्रेमनाथ मिल्कीपुर से अभिषेक यादव,मुकेश प्रताप सिंह, भगवती यादव, राजेश तिवारी, हैरिंग्टनगंज से संतोष द्विवेदी, संतोष यादव, रवींद्र वर्मा, वीरेंद्र पांडे, प्रेमकांत यादव बीकापुर से हरिओम सिंह, अनिल सिंह, रविंद्र गौतम, विद्या यादव तारुन से सुशांत, जितेंद्र वर्मा, संतोष वर्मा, सिकंदर सिंह, प्रवेश कुमार, सीमा सिंह, मया से शैलेंद्र सिंह, अमरनाथ वर्मा, पंकज पांडे, शमशाद अली पूरा से संचराज वर्मा, सत्येंद्र गुप्त, मिठाई लाल महानगर से तहसीन बानो, अरविंद पाठक, प्रणेश रावत, चरन आधार मौर्य, सोहावल से पप्पू कुमार, शैलेंद्र कुमार वर्मा, समीर सिंह, जमाल अहमद मसौदा से धीरज शुक्ला, महेंद्र यादव, भगौती गुप्ता एवं विजय शुक्ला के नेतृत्व में शिक्षक जिले पर रवाना होंगे।

भारतीय किसान यूनियन ने महापंचायत के तैयारी को लेकर की पंचायत

अयोध्या (डीकेयू लाइव ब्यूरो) सुरेंद्र कुमार। भारतीय किसान यूनियन ने सर्किट हाउस के सभागार में पंचायत की समीक्षा की, 18 सितंबर को लखनऊ के इको गार्डन में महापंचायत की तैयारी को लेकर पंचायत की गई,नरेश टिकैत के पुत्र व भारतीय किसान यूनियन युवा मोर्चा के राष्ट्रीय अध्यक्ष गौरव टिकैत ने पंचायत की समीक्षा की, सरकार द्वारा किए गए वादों को याद दिलाने के लिए 18 सितंबर को महापंचायत की तैयारी शुरू कर दी गई है। गौरव टिकैत ने बयान दिया कि सरकार गन्ना मूल्य केवल नाम मात्र बढ़ा रही है, 9 साल पहले सरकार ने वादा किया था गन्ने का मूल्य 450 रुपए कुंतल करेंगे, स्वामीनाथन रिपोर्ट को लागू करने की मांग की जा रही है,, किसानों की लागत का डेढ़ गुना करने का सरकार ने वादा किया था, प्रदेश में भाजपा ने चुनाव से पहले कहा था, किसानों के लिए बिजली फ्री की जाएगी लेकिन अभी तक बिजली फ्री नहीं हुई, इन सभी मुद्दों को लेकर 18 सितंबर को लखनऊ में हो रही है महापंचायत, सरकार ने किसानों को लेकर जो वादे किए थे उसको याद दिलाने के लिए लखनऊ के इको गार्डन में हो रही है भारतीय किसान यूनियन की महापंचायत, किसान लखनऊ कैसे पहुंचेंगे, उनकी क्या व्यवस्था होगी,इन सभी मुद्दों पर चर्चा की गई।

सपा ने घोषित की 55 सदस्य बीकापुर विधानसभा कमेटी

अयोध्या (क्राइम रिपोर्टर) मुकेश कुमार।अयोध्या समाजवादी पार्टी विधानसभा बीकापुर के अध्यक्ष अजय कुमार वर्मा उर्फ राजू ने समाजवादी पार्टी के जिलाध्यक्ष पारसनाथ यादव की संस्तुति पर 55 सदस्य विधानसभा कमेटी घोषित कर दी है, विधानसभा कमेटी में 8 उपाध्यक्ष एक महासचिव, एक कोषाध्यक्ष सहित 24 सचिव और 20 कार्यकारिणी के सदस्य नामित किए गए हैं। विगत दिनों बीकापुर विधानसभा के पूर्व अध्यक्ष कृष्ण कुमार पटेल का जिला कमेटी में मनोनयन होने के उपरांत मसौधा ब्लॉक निवासी अजय कुमार वर्मा उर्फ राजू को पूर्व प्रत्याशी हाजी फिरोज खान की संस्तुति पर बीकापुर विधानसभा अध्यक्ष मनोनीत किया गया था।

विधानसभा कमेटी में बड़ा बदलाव करते हुए गौतमबुद्ध पब्लिक स्कूल खेमकरनपुर सोहावल के प्रबंधक विजय यादव आनंद को विधानसभा महासचिव के तौर पर महत्वपूर्ण जिम्मेदारी दी गई है विजय यादव आनंद कुशल अम्बेडकरवादी वक्ता के साथ साथ हाजी फिरोज खान गब्बर के करीबी माने जाते हैं।

विधानसभा कमेटी में सलीम खान, प्रधान राम चंदर रावत, पूर्व प्रधान गोविन्द यादव, विजय पाण्डेय मुन्ना, प्रदीप वर्मा, प्रधान मुकेश कनौजिया, प्रधान राजकुमार यादव, मनोज कुमार निषाद को विधानसभा उपाध्यक्ष एवं खिरौनी निवासी ज्ञानेंद्र जयसवाल को कोषाध्यक्ष मनोनीत किया गया है।

विधानसभा कमेटी में अमरेश तिवारी, राजकुमार निषाद, अनंत राम यादव, प्रधान फखरुद्दीन उर्फ भोले, डॉक्टर शिवकुमार यादव, कुलदीप वर्मा, सुनील शंकर यादव, दुर्गेश दुबे, धर्मेंद्र चौरसिया, उमाशंकर यादव, मोहम्मद आमिल खान, शंकर जीत यादव, नरेंद्र वर्मा, मेवा लाल चौहान, अशोक यादव, शशि रावत, सुरेश वर्मा, अरविंद कोरी, सुरेश यादव, रमेश वर्मा, रमेश पाल, राम प्रसाद यादव, विजय मौर्या, राम नाथ कोरी, रवि वर्मा को विधानसभा सचिव घोषित किया गया है। इसके अतिरिक्त 20 लोगों को विधानसभा की कार्यकारिणी में स्थान दिया गया है। समाजवादी पार्टी के जिला उपाध्यक्ष एवं बीकापुर विधानसभा प्रभारी एजाज अहमद ने बताया कि शीघ्र ही बीकापुर विधानसभा के पूर्व प्रत्याशी हाजी फिरोज खान उर्फ गब्बर के नेतृत्व में मनोनीत पदाधिकारी का स्वागत कार्यक्रम आयोजित कर पदाधिकारियों को मनोनयन पत्र सौंपा जाएगा।

शहर चौक स्थित चारों प्रवेश द्वारों की ऐतिहासिक वास्तुकला व रचनात्मकता को संरक्षित करते हुए होगा सौंदर्यीकरण

अयोध्या (डीकेयू लाइव ब्यूरो) सुरेंद्र कुमार।अयोध्या जिलाधिकारी नितीश कुमार ने बताया कि चौक स्थित अयोध्या के चारों ऐतिहासिक प्रवेश द्वारों के संरक्षण एवं सौन्दर्यीकरण कार्य हेतु प्रशासकीय एवं वित्तीय स्वीकृति शासन से प्राप्त हो गयी है। उन्होंने बताया कि शासन द्वारा चारों ऐतिहासिक प्रवेश द्वारों को ऐतिहासिक निर्माण तकनीकों, वास्तुकला एवं सामग्रियों (राफ्टर्स के साथ लखौरी ईंट और चूना मोर्टार आदि) का उपयोग करते हुये संरक्षित किया जायेगा। इनके अनूठी वास्तुशिल्पीय मूल्यों एवं रचनात्मक कलाकृतियों को संरक्षित करने के साथ ही और भव्यता एवं आकर्षक स्वरूप प्रदान करने हेतु फसाड लाइटिंग भी की जायेगी। उन्होंने बताया कि चारों ऐतिहासिक प्रवेश द्वारों के संरक्षण एवं सौंदर्यीकरण हेतु शासन द्वारा रू0 1518.30 लाख की प्रशासकीय एवं वित्तीय स्वीकृति प्रदान किये जाने के साथ ही प्रथम किश्त के रूप में रू0 300 लाख की धनराशि नियमानुसार अवमुक्त करने की स्वीकृति प्राप्त हो गयी है।इस अवसर पर जिलाधिकारी ने बताया कि सरयू नदी के दायें तट पर गुप्तारघाट व राजघाट के मध्य नये पक्कें घाटों एवं पूर्व निर्मित घाटों पर पुनरोद्धार हेतु भी शासन द्वारा 2388.87 लाख की प्रशासकीय एवं वित्तीय स्वीकृति प्रदान होने के साथ ही प्रथम किश्त के रूप में 500 लाख रूपये की धनराशि नियमानुसार अवमुक्त किये जाने की स्वीकृति प्राप्त हो गयी।

इसी प्रकार अयोध्या में सरयू नदी के नयाघाट से लक्ष्मणघाट तक पर्यटन सुविधाओं के विकास एवं सौन्दर्यीकरण कार्य हेतु 2328.80 लाख रूपये की प्रशासकीय एवं वित्तीय स्वीकृति प्राप्त हो गयी है तथा 500 लाख रूपये की धनराशि प्रथम किश्त के रूप में नियमानुसार अवमुक्त करने की भी स्वीकृति प्राप्त हो गयी।

इसी के साथ ही शासन द्वारा अयोध्या सरयू नदी पर राम की पैड़ी से राजघाट तक, राजघाट से भगवान श्रीराम मंदिर तक 'श्रद्वालु भ्रमण पथ' का सुदृढ़ीकरण एवं जीर्णोद्धार कार्य की भी वित्तीय एवं प्रशासकीय स्वीकृति प्रदान कर दी गयी है। इस कार्य हेतु शासन द्वारा 2282.53 लाख रुपये की प्रशासकीय एवं वित्तीय स्वीकृति के साथ ही 500 लाख रुपये की धनराशि प्रथम किस्त के रूप में नियमानुसार अवमुक्त करने की स्वीकृति प्राप्त हो गयी है। जिलाधिकारी नितीश कुमार ने आगे बताया कि उक्त सभी स्वीकृत कार्यो की कार्यदायी संस्था उ0प्र0 प्रोजेक्ट कारपोरेशन लिमिटेड नामित की गयी है। जिलाधिकारी द्वारा प्रोजेक्ट मैनेजर उ0प्र0 प्रोजेक्ट कारपोरेशन लि0 को उक्त सभी कार्यो को शीघ्र प्रारम्भ किये जाने के संबंध में आवश्यक दिशा निर्देश दिये गये।

इस दौरान जिलाधिकारी ने बताया कि गुप्तार घाट सौंदर्यीकरण फेज–तीन के कार्य को भी शासन से स्वीकृति प्राप्त हो चुकी है। गुप्तार घाट फेज–3 के तहत ओपेन एयर थियेटर, अत्याधुनिक सुविधाओं से सुसज्जित आकर्षक पार्क, आकर्षक स्कल्पचर, प्रवेश द्वार, मेडीटेशन कम योगा सेंटर, कियोस्क, टॉयलेट ब्लाक, इंटरपटेशन सेंटर, कैफेटेरिया, बच्चों के लिए खेल पार्क, सुरक्षा की दृष्टि से सीसीटीवी आदि कार्य किये जायेंगे। इस कार्य हेतु शासन द्वारा 1665.15 लाख रुपये की वित्तीय एवं प्रशासनिक स्वीकृति प्रदान करने के साथ ही 350 लाख रुपये की प्रथम किश्त नियमानुसार अवमुक्त किये जाने की स्वीकृति प्रदान कर दी गयी है। जिलाधिकारी ने कार्यदाई संस्था यूपीपीसीएल को समस्त कार्यों को शीघ्र प्रारंभ करने के निर्देश दिए।

मुख्यमंत्री भगवंत मान जी जो सुबह से शाम तक इंसाफ की बात करते हैं लेकिन कहां है इंसाफ ? : राजीव जोली खोसला

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय

लुधियाना,पंजाब। ह्यूमन राइट्स प्रोटक्शन काउंसिल के राष्ट्रीय महासचिव राजीव जोली खोसला ने बताया कि मृतक किसान भाई सुखविंदर जी के परिवार से मिलने के लिए लुधियाना जिला पुलिस मुख्यालय के सामने नई दिल्ली से ह्यूमन राइट्स प्रोटक्शन काउंसिल के नेशनल चेयरमैन डॉक्टर नरूला के साथ पहुंचे और पीड़ित परिवार के साथ संवेदना व्यक्त की। उन्होंने कहा कि यह बड़े दुख की बात है कितने दिन होने के बावजूद प्रशासन ने अभी भी आरोपियों के खिलाफ कोई सख्त कार्रवाई नहीं की। यह इस देश का दुर्भाग्य है कि देश के अन्नदाता को कभी भी इंसाफ नहीं मिला, कभी वह दिल्ली की सड़कों पर और कभी खुद अपने पंजाब की सड़कों पर। इंसाफ का कहीं अत्ता पता नहीं उल्टा जैन परिवार को प्रशासन की तरफ से हर तरह की मदद की जा रही है और प्रशासन की मदद से ही दोषियों को बचाया जा रहा है। बड़े दुख से कहना पड़ता है सारे देश का पेट भरने वाला अन्नदाता आज जहर खाने को मजबूर है और प्रदेश के मुख्यमंत्री भगवंत मान जी जो सुबह से शाम तक इंसाफ की बात करते हैं लेकिन कहां है इंसाफ? इस मौके पर उन्होंने किसान नेताओं और पीड़ित परिवार को हर संभव मदद का भरोसा दिया और जल्द ही इस मामले में केंद्रीय गृह मंत्रालय को दखल देने के लिए कहा। इस मौके पर किसान नेताओं ने साथ देने के लिए उनका धन्यवाद किया।

पूर्व प्रधान का शव खेत में पड़ा मिला, हत्या का आरोप

हरदोई : एल(अम्बरीष कुमार सक्सेना) मल्लावां के ग्राम करवा में उस समय सनसनी फैल गई, जब खेत के किनारे पूर्व प्रधान का शव पड़ा मिला। पूर्व प्रधान के सिर और चेहरे पर चोट के निशान मिले, जिससे साफ जाहिर था कि हत्या कर शव को खेत में फेंका गया है। घटनास्थल पर ग्रामीणों की भीड़ एकत्र हो गई। पुलिस ने फारेंसिक टीम के साथ मौके पर पहुंचकर जांच पड़ताल की। स्वजन ने भतीजे पर हत्या का आरोप लगाया है।

ग्राम नरायनमऊ के गंगाराम पूर्व प्रधान थे। पत्नी प्रभावती ने बताया कि पति खेतीबाड़ी के साथ ही पंपसेट बनाने का काम भी करते थे। रविवार सुबह ग्राम करवा के संतोष सिंह का पंपसेट बनाने के लिए भतीजे पप्पू के साथ घर से निकले थे। शाम को पप्पू घर वापस आ गया, लेकिन पति वापस नहीं आए तो पप्पू से पूछा गया।

पप्पू ने बताया कि वह घर से साथ में निकले थे, लेकिन बिना बताए कहीं चले गए। स्वजन ने गंगाराम की तलाश की पर कुछ पता नहीं चला। वहीं जब गंगाराम पंपसेट बनाने के लिए नहीं पहुंचे तो संतोष ने ग्राम नारायनमऊ के राकेश से पंपसेट सही करा लिया।

सोमवार सुबह ग्राम करवा के मिश्रीलाल के खेत के किनारे गंगाराम का शव पड़ा मिला। ग्रामीणों ने शव को पड़े देखा और और प्रधान को जानकारी दी, जिसके बाद परिवार

के लोग और पुलिस मौके पर पहुंचे।

शव मिलने के बाद भतीजा पप्पू भी घर से फरार हो गया। पत्नी ने अपने भतीजे पप्पू पर हत्या कर शव को खेत के किनारे फेंकने का आरोप लगाया है। उनके परिवार में चार बेटे और दो बेटियां हैं। एसपी ने बताया कि फारेंसिक टीम ने घटनास्थल से साक्ष्य एकत्र किए हैं। शव का पोस्टमार्टम कराया गया है। रिपोर्ट और तहरीर के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

गांव का हर व्यक्ति स्वस्थ हो तभी देश स्वस्थ माना जायेगा : रमेश भइया

'ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय

लखनऊ बीमार तो कोई भी पड़ सकता है।इलाज के लिए उसे शहर की ओर जाना खर्चीला पड़ता है।अगर यही इलाज की समुचित व्यवस्था गांव में हो जाए तो गांव का हर व्यक्ति स्वस्थ हो सकता है और गांव स्वस्थ देश स्वस्थ का सपना पूरा हो सकता है। उक्त विचार विनोबा सेवा आश्रम द्वारा बांबे की हुवाई, दिल्ली की कैफ इंडिया और बोडोकहार्ट संस्था के सौजन्य से विनोबा सेवा आश्रम को प्राप्त मोबाइल हेल्थ क्लीनिक का नामकरण 'संजीवनी मोबाइल हेल्थ क्लीनिक' के रूप में करते हुए जनपद रत्न और डा स्वामी राम मानवता पुरुस्कार से सम्मानित रमेश भइया ने व्यक्त किए। आज छितेपुर गांव के जे पी कुटीर पर संजीवनी मोबाइल क्लीनिक की शुरुआत गांव के पूर्व प्रधान डा अहसान मोहम्मद ने करते हुए कहा कि इस मोबाइल क्लीनिक से जनता को अपार लाभ है। गांव के लोगों को।बहुत सहूलियत हुई है। हर आदमी विनोबा सेवा आश्रम को दुआ देता है। क्लीनिक के डा विजय मीणा एम बी बी एस ने बताया कि क्लीनिक का आज ग्यारहवां दिवस है। लगभग ग्यारह सौ मरीज अब तक देखे गए हैं। गांव के प्रमुख श्री हरवंश कुमार ने कहा कि क्लीनिक से जो दवाइयां दी गई हैं वे भी गुणवत्ता युक्त हैं। जे पी कुटीर के प्रभारी श्री बृजेन्द्र अवस्थी ने बताया कि छितेपुर गांव में क्लिनिक की सेवाएं दो बार मिली हैं। मेडिसिन प्रभारी संजीव प्रकाश ने बताया कि प्रत्येक मरीज को देने के लिए आलोक भाई के सहयोग से भरपूर दवा उपलब्ध रहती है। सभी का आभार संजीवनी मोबाइल क्लीनिक के सारथी विमलेश कुमार ने दिया। आज क्लीनिक के शिविर का सौभाग्य रहा कि शाहजहांपुर से श्री रवि कांत शुक्ला उप प्रभारी विद्यार्थी परिषद और राम जी मिश्रा का भी आशीर्वाद मिला।

संविधान पर राजनेताओं द्वारा किए जा रहे प्रहार को रोकने और जातीय जनगणना कराये जाने की मांग : राज कुमार जिंदल

हरदोई(अम्बरीष कुमार सक्सेना) संविधान पर राजनेताओं द्वारा किए जा रहे प्रहार को रोकने और जातीय जनगणना कराये जाने की मांग को लेकर ओबीसी और एससी एसटी संगठनों ने सोमवार को तहसील मुख्यालय पर प्रदर्शन करते हुए महामहिम राज्यपाल को संबोधित एक 6 सूत्रीय ज्ञापन एसडीएम को सौंपा। ओबीसी महासभा हरदोई, डॉक्टर बी आर अंबेडकर जन्मोत्सव समिति, गौतम बुद्ध जन कल्याण समिति ओबीसी एससी एसटी एकता मंच, भारतीय बौद्ध महासभा, कठेरिया समाज कल्याण समिति, धोबी महासभा तथा संत गाडगे महासभा के संयुक्त सत्तावधान में बड़ी संख्या में संगठन के पदाधिकारी और कार्यकर्ता अंबेडकर पार्क में एकत्रित हुए । यहां से कड़ी सुरक्षा व्यवस्था के बीच ओबीसी महासभा के प्रदेश महासचिव मिथिलेश शर्मा, दलित नेता राजकुमार जिंदल एवं बाबूराम के नेतृत्व में नारेबाजी करते हुए तहसील मुख्यालय पहुंचे। तहसील मुख्यालय पर राजनेताओं के खिलाफ जमकर नारेबाजी करने के बाद संगठन के नेताओं ने महामहिम राज्यपाल को संबोधित एक छह सूत्रीय ज्ञापन एसडीएम सुश्री पूनम भास्कर को सौंप कर मांगों के निराकरण की मांग की।

भूमि विवाद में दो महिलाओं समेत 12 के खिलाफ रिपोर्ट

अयोध्या (क्राइम रिपोर्टर) मुकेश कुमार।बीकापुरऋअयोध्या भूमि विवाद को लेकर महिला की पिटाई करने के आरोप में कोतवाली पुलिस ने दो महिलाओं समेत 12 आरोपियों के विरुद्ध बलवा, मारने पीटने, गाली गलौज करने और धमकी देने की धारा में केस दर्ज किया है। मुमारिच नगर निवासी रामकली पत्नी पुरषोत्तम मिश्रा की तहरीर पर गांव निवासी विपक्षी विपनेश मिश्रा, निलेश मिश्रा, विवेक, विकास, विनीत, आशीष, इन्द्रजीत, सुजीत, शान्ति, नगीना, सुरेन्द्र नारायण एवं प्रेमनारायण के विरुद्ध रिपोर्ट दर्ज की गई। पीड़िता रामकली का आरोप है कि उनकी सहन की भूमि पर जिसका मुकदमा न्यायालय में चल रहा है। प्रभारी निरीक्षक राजेश राय ने बताया कि रिपोर्ट दर्ज कर कानूनी कार्रवाई की जा रही है।

पीड़ित ने आरोपी पक्ष पर गाली गलौज और धमकी देने का लगाया आरोप, मुकदमा दर्ज

अयोध्या। (डाक्टर अजय तिवारी जिला संवाददाता) जिले के बीकापुर कोतवाली क्षेत्र में हुई दुष्कर्म के मामले में सुलह समझौता के लिए तैयार पीड़ित द्वारा विपक्षी पर गाली गलौज करने और धमकाने का आरोप लगाया है। जिसके चलते पीड़ित की तहरीर पर कोतवाली पुलिस द्वारा आरोपी के विरुद्ध गाली गलौज करने और धमकी देने की धारा में केस दर्ज किया है।कोतवाली क्षेत्र के एक गांव निवासी पीड़ित का आरोप है कि विपक्षी जावेद आलम के बीच एक मुकदमा धारा 376 आईपीसी का स्थानीय बीकापुर कोतवाली में वर्ष 2022 मे पंजीकृत हुआ था।जिसमे गांव के सम्भ्रान्त व्यक्तियो द्वारा समझाने पर सुलह समझौता करने के लिए वह तैयार हो गया। पीड़ित के मुताबिक विपक्षी जावेद आलम द्वारा दोबारा उनके घर जाकर उनके तथा उनके परिवार के लोगो को गन्दी गन्दी गाली दिया जा रहा है।तथा उनकी पुत्री को उठवा लेने व जान से मार देने की धमकी देता रहता है।जिससे पीड़ित व उनकी पुत्री के साथ साथ पत्नी काफी भयभीत है। पीड़ित की तहरीर पर कोतवाली पुलिस द्वारा आरोपी जावेद आलम के विरुद्ध गाली गलौज करने और धमकी देने की धारा में मुकदमा पंजीकृत किया गया है।

राष्ट्रीय युवा वाहिनी शंखनाद के संपादक हिन्दू देवप्रकाश शुक्ला ने किया एडीजी विजय कुमार सिंह मीना से स्नेहिल मुलाकात

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय

लखनऊ– भारत मे सनातन धर्म की रक्षा करने वाले संगठन राष्ट्रीय युवा वाहिनी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं राष्ट्रीय युवा वाहिनी शंखनाद समाचार के संपादक हिन्दू देवप्रकाश शुक्ला ने बताया कि आज उत्तर प्रदेश सरकार में बड़े भाई एडीजी विजय कुमार सिंह मीना जी से स्नेहिल मुलाकात की। मुलाकात के दौरान सनातन धर्म, संगठन, एवं न्यूज चौनल व समाचार पत्र सहित कई मुद्दों में विशेष चर्चा हुई। आदरणीय एडीजी महोदय ने सनातन धर्म को बढ़ावा देने हेतु गुरुकुल एवं गौशाला सहित संगठन एवं समाचार पत्र को हर संभव मदद करने का पूर्ण आश्वासन दिया।

आशा है इस मुलाकात के दौरान हुई चर्चाओ का असर भविष्य में देखने को मिल सकता है। सनातन धर्म के सहयोग की भावना से ओतप्रोत जो आपने आश्वासन दिया है आशा है उससे संगठन एवं समाचार पत्र को एक नई ऊर्जा एव दिशा मिलेगी।

सीएमओ डॉ जैन के निर्देश पर स्वास्थ्य विभाग अधिकारियों ने किया मेडिकल कॉलेज के वार्ड का निरीक्षण

अयोध्या। डेंगू संक्रमण रोग से निपटने के लिए स्वास्थ्य महकमा अभी से तैयारियों में जुटा है।स्वास्थ्य विभाग की मंशा यही है कि डेंगू का संक्रमण जिले में तेजी से अपना पांव न पसार सके इसके लिए स्वास्थ्य विभाग के अधिकारी व कर्मी लोगो को डेंगू के लक्षण व उससे बचाव के उपाय भी बता रहे हैं।सोमवार को सीएमओ डॉ संजय जैन के निर्देश पर राजर्षि दशरथ मेडिकल कॉलेज अयोध्या,के डेंगू डेडीकेटेड वार्ड तथा लैब का निरीक्षण एसीएमओ डाक्टर पुष्पेन्द्र कुमार,डीएसओ डॉ बी पी त्रिपाठी,जिला मलेरिया अधिकारी डी के श्रीवास्तव,डीएमओ डॉ अरविंद श्रीवास्तव ने किया।निरीक्षण के दौरान इन अधिकारियों ने वहां पर मौजूद सभी कार्मिकों को निर्देश देते हुए कहा कि वार्ड में साफ सफाई पर विशेष ध्यान दिया जाए।खासकर वहां पर मौजूद कूलर को साफ कर मे प्रतिदिन पानी बदला जाए।कही पर पानी न इक्कठा होने दिया जाये।वही इन अधिकारियों ने बताया कि इस वार्ड में भर्ती डेंगू मरीजों की सभी आवश्यक जांच समय से कराई जाय।सभी बेड पर भर्ती मरीजों को मच्छर दानी उपलब्ध कराएघ।उन्होंने वार्ड में तैनात कर्मियों को निर्देश देते कहा कि इस वार्ड में प्रतिदिन भर्ती होने वाले मरीजों के विषय में उनका नाम, पता एवम मोबाइल नो. रजिस्टर में सही से अंकित किया जाए।

हिन्दी सांध्य दैनिक देश की उपासना

स्वात्वाधिकारी में. प्रभुदयाल प्रकाशन की ओर से श्रीमती किरन देवी श्रीवास्तव मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक द्वारा देश की उपासना प्रेस, उपासना भवन, धर्मसारी, प्रेमापुर, जौनपुर उत्तर प्रदेश से मुद्रित एवं प्रकाशित ।

सम्पादक

श्रीमती किरन देवी श्रीवास्तव

मो0–7007415808,9628325542,9415034002

RNI संन्दर्भ संख्या – 24/234/2019/R-1

deshkiupasanadailynews@gmail.com

समाचार–पत्र से सम्बन्धित समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र जौनपुर न्यायलय होगा।